संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -283 सोमवार, 14 अगस्त 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

अनुच्छेद 370 को लेकर सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर

» **अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की चुनौती पर हो रही सुनवाई**

नई दिल्ली,13 अगस्त 2023(ए)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायालय की एक संविधान पीठ सोमवार और शुक्रवार को छोड़कर, 2 अगस्त से संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर लगातार सुनवाई कर रही है।

संविधान पीठ में शीर्ष अदालत के पांच वरिष्ठतम न्यायाधीश सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, और न्यायमूर्ति सूर्यकांत शामिल हैं।

राजनीतिक दलों, निजी व्यक्तियों, वकीलों, कार्यकर्ताओं द्वारा बड़ी संख्या में याचिकाएं दायर की गई हैं, इसमें पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा छीनने वाले राष्ट्रपति के आदेश और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने की संसद की कार्रवाई को चुनौती दी गई है।

अब तक, उनके तर्क का मुख्य जोर यह रहा है कि जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा के विघटन के बाद संविधान के अनुच्छेद 370 ने स्थायी स्वरूप ग्रहण कर लिया है।

सुनवाई के दौरान संविधान पीठ ने बार-बार इस स्थायित्व पर संदेह जताया और एक मौके पर टिप्पणी की कि यह कहना मुश्किल है कि अनुच्छेद 370 स्थायी है और इसे कभी भी निरस्त नहीं किया जा सकता है। इसने याचिकाकर्ता पक्ष से ऐसे परिदृश्य पर विचार करने को कहा, जहां पूर्ववर्ती राज्य स्वयं भारतीय संविधान के सभी प्रावधानों को अपने क्षेत्र में लागू करना चाहता था।

दूसरे, यह तर्क दिया गया है कि अनुच्छेद 370 में अंतर्निहित संघवाद की

अवधारणा को राष्ट्रपति या संसद की किसी भी कार्रवाई द्वारा निरस्त नहीं किया जा सकता है।

संविधान पीठ ने मौखिक रूप से टिप्पणी की है कि जम्मू-कश्मीर की संप्रभुता का भारत को समर्पण सशर्त नहीं था, बल्कि भारत के साथ विशेष संप्रभुता निहित करने वाला एक पूर्ण आत्मसमर्पण था।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा है कि राज्यों के साथ सहमति की आवश्यकता वाले संविधान के प्रावधान जरूरी नहीं कि भारत संघ की संप्रभुता को कमजोर करते हों।वस्तुतः, जम्मू-कश्मीर के संविधान में ही प्रावधान है कि जम्मू-कश्मीर राज्य भारत संघ का अभिन्न अंग है और रहेगा।

इसी प्रकार, संविधान का अनुच्छेद 1 कहता है कि भारत 'राज्यों का संघ' होगा और इसमें संविधान की अनुसूची एक में जम्मू और कश्मीर राज्य शामिल है।

जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक नेता अकबर लोन की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सुनवाई की शुरुआत में कहा था कि भारत के साथ जम्मू-कश्मीर का एकीकरण निर्विवाद है, निर्विवाद था और हमेशा निर्विवाद रहेगा।

ब्रेकजिट जैसे जनमत संग्रह का जिक्र करने वाले सिब्बल के सुझाव को पसंद नहीं किया गया और अदालत कक्ष के बाहर संविधान पीठ और बड़े पैमाने पर जनता ने इस पर नाराजगी व्यक्त की।

शीर्ष अदालत के समक्ष उठाए गए तर्क की एक और पंक्ति यह है कि 1957 के जम्मू और कश्मीर संविधान में जम्मू और कश्मीर की विशेष स्थिति में बदलाव का कोई प्रावधान नहीं था।

हालांकि,याचिकाकर्ताओं ने स्वयं सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष स्वीकार किया है कि निस्संदेह, भारतीय संविधान दोनों संविधानों के बीच श्रेष्ठ है।

लेकिन, याचिकाकर्ताओं ने संविधान पीठ के समक्ष आग्रह किया है कि मूल संरचना भारत और जम्मू-कश्मीर दोनों के संविधान से ली जानी चाहिए।

अनुच्छेद 370 को हटाने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने की सिफारिश करने में संसद द्वारा राज्य विधायिका की भूमिका निभाने का मुद्दा सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष जोरदार ढंग से उठाया गया है।

यह तर्क दिया गया है कि संविधान शक्ति और विधायी शक्ति के बीच अंतर मौजूद है और एक विधान सभा को संविधान सभा में परिवर्तित नहीं किया जा सकता है।

वीआईपी गाड़ियों से हटेगा सायरन!

» **नितिन गडकरी बोले- अब सुनाई देगी बांसुरी, तबले और शंख की आवाज**

नई दिल्ली,13अगस्त 2023(ए)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राज्य मार्ग मंत्रालय ने अब गाड़ियों में हॉर्न और सायरन की तेज ध्वनि में बदलाव करने वाले नियम तैयार कर लिए हैं। अब लोगों को

इन सायरनों की कर्कश आवाज की जगह भारतीय वाद्य यंत्रों जैसे बांसुरी, तबले और शंख की आवाज सुनाई देगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने खुद इस बात की घोषणा की है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान बताया कि सायरन को हटाने के काफी फायदे होंगे। इससे ध्वनि प्रदूषण भी कम होगा। उन्होंने बताया कि मंत्रालय ऐसे प्रावधान तैयार कर रहा हैं जिससे लोगों को सायरन की कर्कश आवाज से राहत मिलेगी।

भारतीय वायुसेना में शामिल हुआ 'इजरायली ब्रह्मास्त्र' हेरॉन मार्क 2

» **पलक झपकते कर देगा दुश्मन को तबाह**

नई दिल्ली ,13 अगस्त 2023(ए)। भारतीय वायुसेना में रविवार को हेरॉन मार्क 2 ड्रोन शामिल किया गया है, जिसे इजरायली ब्रह्मास्त्र भी कहा जाता है। यह एक ही बार में चीन और पाकिस्तान की सीमा का चक्कर लगा सकता है साथ ही जरूरत पड़ने पर मिसाइलें भी दाग सकता है। मिली जानकारी के अनुसार इंडियन एयरफोर्स अपने चीता प्रोजेक्ट को लगातार आगे बढ़ाने में जुटी है। इसके तहत इजरायली हेरॉन ड्रोन को अपग्रेड किया जा रहा है। उसे स्ट्राइक करने की क्षमताओं से लैस किया जा रहा है। हेरॉन सीरीज के ड्रोन पहले से ही भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल है, लेकिन अब हेरॉन मार्क 2 के आ जाने से इसके हमले की क्षमता बढ़ गई है।

हेरॉन मार्क 2 ड्रोन जासूसी करने के उपकरणों के साथ-साथ हमले के लिए भी तैयार किया गया है। यह लंबी दूरी की

मिसाइलों सहित अन्य हथियारों से लैस है। यह एक ही उड़ान में भारत के दोनों दुश्मनों की सीमा की निगरानी कर सकता है। इसे भारतीय वायुसेना के उत्तरी क्षेत्र के एक फॉर्वर्ड बेस पर तैनात किया गया है। यह ड्रोन एक बार में 36 घंटों तक उड़ान भर सकता है। साथ ही जंग के दौरान यह लड़ाकू विमानों की मदद के लिए लक्ष्यों को लेजर से चिह्नित कर सकता है। किसी भी मौसम और दुर्गम इलाकों में काम कर सकता है। इस पर एयर मिसाइल और एंटी टैंक हथियार लगाए जा सकते हैं। इस ड्रोन को लेकर स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर ने कहा- हेरॉन मार्क 2 एक बहुत ही सक्षम ड्रोन है। यह लंबे समय तक चलने में सक्षम है और इसमें 'दृष्टि की रेखा से परे' क्षमता है। इससे पूरे देश की एक ही जगह से निगरानी की जा सकती है।

नर्स की लापरवाही

» **बुखार से पीड़ित बच्चे को लगाया रेबीज का टीका,अस्पताल ने लिया बड़ा एक्शन**

तिरुवनंतपुरम ,13 अगस्त 2023(ए)। अंगामलाई सरकारी अस्पताल में एक अस्थायी नर्स को निलंबित कर दिया गया, क्योंकि उसने बुखार से पीड़ित एक लड़की को रेबीज का टीका लगा दिया था। सात साल की बच्ची के माता-पिता ने कहा कि नर्स ने उसके नुस्खे की जांच किए बिना इंजेक्शन लगा दिया।

यह घटना 11 अगस्त को हुई थी। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने जांच के आदेश दिए थे और जांच के बाद नर्स को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। बच्चे की मां अंजलि ने मीडिया को बताया कि वह पुलिस जांच के लिए दबाव नहीं डालेंगी, क्योंकि डॉक्टरों ने उन्हें सूचित किया है कि बच्चे को कोई समस्या नहीं होगी। उन्होंने कहा कि नर्स ने परिवार से माफी मांगी है और परिवार को मामले को आगे बढ़ाने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

एनआईए ने केरल के मलप्पुरम में पीएफआई के पूर्व कार्यकर्ताओं के आवास पर की छापेमारी

तिरुवनंतपुरम,13अगस्त 2023 (ए)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) रविवार को प्रतिबंधित इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के पूर्व कार्यकर्ताओं के चार ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। मलप्पुरम जिले के तिरुर और तनूर इलाकों में पूर्व पीएफआई कार्यकर्ताओं के चार आवासों पर छापेमारी की जा रही है। मलप्पुरम जिला पुलिस के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि उन्हें छापेमारी शुरू होने से ठीक पहले सूचित किया गया था। सुबह शुरू हुई छापेमारी एक साथ की जा रही है। इससे पहले, एनआईए ने मलप्पुरम जिले के मंजेरी में पीएफआई मुख्यालय, ग्रीन वैली पर छापेमारी की थी और उसे सील कर दिया था। सितंबर 2022 में केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया गया था और इस्लामी संगठन के अधिकांश अग्रणी नेताओं को जेल में डाल दिया गया था। पीएफआई देशभर में कई हत्या के मामलों में आरोपी है और भारत को इस्लामिक राष्ट्र में बदलने की दिशा में काम कर रहा था।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दूसरे चरण पर बोली भाजपा,नहीं पड़ेगा कोई असर

नई दिल्ली,13 अगस्त 2023(ए)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी एक बार फिर से भारत जोड़ो यात्रा पर निकलने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि अपने भारत जोड़ो यात्रा के दूसरे चरण में राहुल गांधी पश्चिम से पूर्व तक के राज्यों की यात्रा करेंगे। राहुल गांधी की यह यात्रा गुजरात से शुरू होकर मेघालय तक जाएगी।

कांग्रेस राहुल गांधी की पहली भारत जोड़ो यात्रा को उम्मीद से कहीं ज्यादा सफल करार देते हुए जोर-शोर से भारत जोड़ो यात्रा के इस दूसरे चरण की तैयारी कर रही है। 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस के रणनीतिकार राहुल गांधी की यात्रा को भले ही महत्वपूर्ण मान रहे हो लेकिन भाजपा इस यात्रा को बहुत ज्यादा तवज्जों देने के लिए तैयार नहीं है। भाजपा का यह मानना है कि भारत जोड़ो यात्रा निकाल कर राहुल गांधी अपने आपको राजनीतिक रूप से परिपक्व करने की कोशिश कर रहे हैं और यह एक असफल कोशिश है। भाजपा का यह भी कहना है कि इस यात्रा से कोई प्रभाव पड़ने नहीं जा रहा है।केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल के बांकुरा से लोक सभा सांसद सुभाष सरकार ने कहा कि विपक्ष को देश की जनता की भलाई और देश की जनता के विकास से कोई मतलब नहीं है। उन्हें केवल विरोध करने से मतलब है और सिर्फ कुर्सी की चिंता है।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत जोड़ो यात्रा का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। राहुल गांधी का हाल सारे देश को पता लग गया है, सारे देश की जनता ने देख लिया है। जो सदन से जाते समय फ्लाइंग किस दे सकते हैं, वह भला क्या कर सकते हैं? इसलिए इस भारत जोड़ो यात्रा का कोई मतलब नहीं है और इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

तमिलनाडु के राज्यपाल ने कहा कभी नहीं दूंगा नीट विरोधी विधेयक को मंजूरी

» **मैं नहीं चाहता कि मेरे बच्चे बौद्धिक रूप से अक्षम महसूस करें. मैं चाहता हूं कि हमारे बच्चे प्रतिस्पर्धा करें और सर्वश्रेष्ठ बनें. उन्होंने यह साबित कर दिया है.**

चेन्नई ,13 अगस्त 2023(ए)। तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने साफ कहा कि वह तमिलनाडु सरकार के नीट विरोधी विधेयक को कभी भी मंजूरी नहीं देंगे. इस विधेयक को अभी राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली है. राज्यपाल के इस बयान पर सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) और भारतीय कम्युनिस्ट

पार्टी (भाकपा) ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्ति की है.

राज्यपाल आर.एन. रवि ने कहा कि राष्ट्रीय प्रवेश-सह-पात्रता परीक्षा (नीट) के बिना उपलब्धियां भविष्य के लिए पर्याप्त नहीं हैं और यह परीक्षा जारी रहेगी. उन्होंने कहा, देखिए, मैं (विधेयक को) मंजूरी देने वाला अंतिम व्यक्ति होऊंगा। इसे कभी भी मंजूरी नहीं दूंगा. मैं नहीं चाहता कि मेरे बच्चे बौद्धिक रूप से अक्षम महसूस करें. मैं चाहता हूं कि हमारे बच्चे प्रतिस्पर्धा करें और सर्वश्रेष्ठ बनें. उन्होंने यह साबित कर दिया है.

राज्यपाल ने यहां राजभवन में नीट स्नातक 2023 में शीर्ष अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों के साथ बातचीत के दौरान यह बयान दिया है। दरअसल, एक अभिभावक ने राज्यपाल से 'नीट को प्रतिबंधित करने के लिए मंजूरी देने का आग्रह किया था. उनका मतलब केंद्रीय परीक्षा से राज्य को छूट देने का प्रावधान करने वाले तमिलनाडु विधानसभा के एक विधेयक को मंजूरी देने से था.

राज्यपाल रवि ने कहा, मैं आपको बहुत स्पष्ट रूप से बता रहा हूं, मैं नीट (विधेयक) को कभी भी मंजूरी नहीं दूंगा. वैसे भी यह राष्ट्रपति के पास गया है, क्योंकि यह समवर्ती सूची का विषय है और यह ऐसा विषय है जिसे मंजूरी देने के लिए केवल राष्ट्रपति ही सक्षम हैं. उन्होंने कहा कि एक मिथक फैलाया जा रहा है कि केवल कोचिंग केंद्रों की सेवाओं का उपयोग करने वाले ही मेडिकल प्रवेश परीक्षा पास कर सकते हैं. उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सीबीएसई पाठ्यक्रम मानक है.

केरल राज्य कांग्रेस पार्टी प्रमुख और पुलिस महानिरीक्षक को ईडी का नोटिस

तिरुवनंतपुरम,13अगस्त 2023 (ए)। फर्जी एंटीक डीलर मोनसन मावुंकल के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सुधाकरन और केरल पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) जी. लक्ष्मण पर शिकंजा कसते हुए उन्हें नोटिस थमाया है।

केपीसीसी अध्यक्ष को 18 अगस्त को कोच्चि में क्षेत्रीय कार्यालय में जांच एजेंसी के सामने पेश होना होगा।

इसी मामले में केरल पुलिस के महानिरीक्षक जी.लक्ष्मण को भी सोमवार 14 अगस्त को ईडी अधिकारियों के सामने पेश होना होगा।यह नोटिस मोनसन मावुंकल के साथ उनके कथित परिचित होने से संबंधित है, जिन्हें नकली प्राचीन वस्तुओं के सौदे के लिए गिरफ्तार किया गया था। मामले में मोनसन न्यायिक हिरासत में हैं।

ईडी मोनसन मावुंकल के फर्जी एंटीक डीलिंग में पैसे के लेनदेन और कांग्रेस नेता और पुलिस अधिकारियों की संलिप्तता की जांच कर रही है।

जांच एजेंसी ने सेवानिवृत्त पुलिस उपमहानिरीक्षक एस. सुरेंद्रन को भी नोटिस दिया है, जिन्हें 16 अगस्त को जांच अधिकारियों के सामने पेश होना होगा।

कोच्चि के एक नकली एंटीक डीलर मावुंकल के मित्र मंडली में वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं और नौकरशाहों सहित कई प्रमुख हस्तियां थीं। कई लोगों द्वारा उनके खिलाफ भारी रकम की धोखाधड़ी करने की शिकायत करने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

आठ सितंबर तक किया जा सकेगा पीएचडी के लिए आवेदन

नई दिल्ली ,13 अगस्त 2023(ए)। देश के कई विश्वविद्यालयों में पीएचडी का इंट्रेंस एग्जाम अब हिंदी में भी आयोजित किया जाएगा। चार केंद्रीय विश्वविद्यालयों में इसको स्वीकृति मिल चुकी है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने पीएचडी एंट्रेंस एग्जाम संबंधी जानकारियां अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड की है। एनटीए ने दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के लिए पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू किया है। इसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि 8 सितंबर है। एनटीए का कहना है कि 8 सितंबर के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। आवेदन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद 9 सितंबर को करेक्शन विंडो खोली जाएगी। आवेदन के दौरान यदि छात्रों से कोई त्रुटि रह गई है या वे कोई अन्य जानकारी अपने फॉर्म में शामिल करना चाहते हैं तो और ऐसी स्थिति में छात्र, करेक्शन विंडो खुलने के बाद 11 सितंबर तक अपने आवेदन पत्र में सुधार कर सकेंगे।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के मुताबिक, पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) कर चुके छात्र, एंट्रेंस एग्जाम के लिए आवेदन कर सकते हैं। पीएचडी के लिए आवेदन हेतु कोई आयु सीमा निर्धारित नहीं है।

गौरतलब है कि पीएचडी एंट्रेंस एग्जाम में पहले एग्जाम अंग्रेजी माध्यम में देने की व्यवस्था थी। उच्च शिक्षा संस्थानों के छात्र इस व्यवस्था का लगातार विरोध कर रहे थे। छात्रों का कहना है कि उनके इस विरोध के चलते परीक्षा की भाषा में हिंदी को भी शामिल किया गया है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी आधिकारिक तौर पर परीक्षाएं हिंदी में कराने की घोषणा कर चुकी है और इसकी जानकारी एजेंसी ने अपनी वेबसाइट पर ही साझा की है।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के इस निर्णय का असर देश के चार बड़े केंद्रीय विश्वविद्यालयों पर में देखने को मिल रहा है अब यहां आयोजित की जानेवाली पीएचडी परीक्षाओं में एंट्रेंस एग्जाम का माध्यम हिंदी भी होगा।

हालांकि अंग्रेजी के इच्छुक छात्र पहले की तरह अंग्रेजी में परीक्षा देने के लिए स्वतंत्र होंगे।

इसका सीधा-सीधा अर्थ यह है कि जो छात्र अंग्रेजी भाषा में एंट्रेंस एग्जाम देना चाहते हैं वे अंग्रेजी भाषा में परीक्षाएं दे सकेंगे, लेकिन हिंदी भाषा का विकल्प चुनने वाले छात्रों के लिए अब हिंदी में भी एंट्रेंस एग्जाम उपलब्ध होगा। इसके साथ ही एक महत्वपूर्ण निर्णय यह भी लिया गया है कि इन परीक्षाओं में अब निगेटिव मार्किंग नहीं होगी।

आप देश कैसे चलाएंगे

» **पीएम के खूनी खेल वाले बयान पर ममता बनर्जी का तंज**

कोलकाता,13 अगस्त 2023 (ए)। खून से खेलने वाली टिप्पणी के लिए पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी पर निशाना साधा. पीएम मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन पर हर कदम पर राज्य को बदनाम करने का आरोप लगाया और कहा कि बंगाल के लोगों ने कभी भी विभाजन की राजनीति के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया है. पीएम मोदी और ममता बनर्जी के बीच तनातनी ऐसे समय में हुई है जब भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा

2024 में राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से 35 जीतने के गृह मंत्री अमित शाह के लक्ष्य को हासिल करने के तरीकों पर काम करने के लिए राज्य के दो दिवसीय दौरे पर हैं.प्रधानमंत्री ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पश्चिम बंगाल में भाजपा की क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद को संबोधित करते हुए कहा, पंचायत चुनाव में देश ने देखा है कि कैसे तृणमूल कांग्रेस ने खूनी खेल खेला है... तमाम ज्यादतियों के बावजूद, बंगाल की जनता ने भाजपा को आशीर्वाद देना जारी रखा और हमारे उम्मीदवार जीत गए. जब वे जीते, तो उन्हें जुलूस की अनुमति नहीं दी गई और उन पर जानलेवा हमले किए गए. तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने पीएम के खिलाफ पार्टी की प्रतिक्रिया का नेतृत्व किया और कहा कि उन्होंने केवल राज्य में भाजपा नेताओं को खुश करने के लिए बंगाल को अपमानित, वंचित, उत्पीड़ित किया और पीड़ा पहुंचाई.

संपादकीय

अगर मकसद पूरा हो

जज भी नियमों और पारदर्शिता संबंधी अपेक्षाओं से बंधे रहें, यह जरूरी है। लेकिन इसके लिए ऐसे उपायों पर विचार किया जाना चाहिए, जिनसे यह मकसद सचमुच पूरा होता हो। संपत्ति की सूचना सार्वजनिक करना इस दिशा में सिर्फ एक उपाय है। सार्वजनिक पदों पर आसीन व्यक्तियों के बारे में पारदर्शिता के जितने उपाय हों, वे अपेक्षित हैं। लेकिन साथ-साथ यह भी विचारणीय है कि जिन तरह के उपायों की बात होती है, उनका अन्य मामलों में क्या अनुभव रहा है। मसलन, एक समय यह मांग पुरजोर ढंग से उठती थी कि नेताओं की संपत्ति और उनके आपराधिक रिकॉर्ड का ब्योरा जनता के सामने आना चाहिए। निर्वाचन आयोग ने अपनी पहल पर चुनाव लड़ने के समय इन दोनों मामलों में हलफनामा दायर करना अनिवार्य कर दिया। उससे अब यह सामने आता रहता है कि किस नेता के पास कितनी संपत्ति है और उसके सार्वजनिक पद पर रहने के दौरान उसमें कितनी बढ़ोतरी हुई। लेकिन क्या इससे भ्रष्टाचार पर रोक लगाने में सचमुच मदद मिली है? या इस प्रश्न को ऐसे भी पूछा जा सकता है कि क्या इससे वो मकसद पूरा हुआ है, जिसके लिए यह मांग उठाई जाती थी? ये सवाल जजों के बारे में भी बनें रहेंगे। ताजा संदर्भ यह है कि एक संसदीय समिति ने कहा है कि जजों की संपत्ति की घोषणा को अनिवार्य बनाने के लिए कानून लाया जाना चाहिए।

अदालतों ने 2009 में जजों की संपत्ति की घोषणा का संकल्प लिया था, लेकिन बहुत कम जज इस संकल्प का पालन करते हैं। संसद की कार्मिक, लोक शिकायत, विधि और न्याय संबंधी समिति ने अपनी 133वीं रिपोर्ट में न्यायपालिका से संबंधित कई मामलों पर अपने विचार सामने रखे हैं। इनमें सुप्रीम कोर्ट और देश के सभी हाई कोर्ट के जजों की संपत्ति की सूचना सार्वजनिक किये जाने का मामला भी शामिल है। यहां इस बात का जरूर उल्लेख होना चाहिए कि भ्रष्टाचार जारी रहने का एक बड़ा कारण बेनामी संपत्ति और हवाला के जरिए पैसा विदेश भेज कर वहां निवेश की सुविधा देने का चलन भी है। जब भ्रष्ट नेताओं और अधिकारियों इस माध्यम से पैसा बनाने के इल्जाम लगते हैं, तो यह बात जजों के मामले में भी सामने आ सकती है। जज भी नियमों और पारदर्शिता संबंधी अपेक्षाओं से बंधे रहें, यह जरूरी है। लेकिन इसके लिए ऐसे उपायों पर विचार किया जाना चाहिए, जिनसे यह मकसद सचमुच पूरा होता हो।

बिहार में भाजपा के लिए पूरा मैदान

बिहार में पिछले महीने भारतीय जनता पार्टी की एक रैली में उसके नेताओं, कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने जिस बर्बर अंदाज में लाठियां चलाई और उसके सांसदों-विधायकों को पीटा वह बिहार की राजनीति में एक नए दौर की शुरुआत का प्रस्थान बिंदु हो सकता है। असल में बिहार एक ऐतिहासिक राजनीतिक बदलाव के मुहाने पर खड़ा है। भारतीय जनता पार्टी के सामने बिहार की राजनीति की केंद्रीय ताकत बनने का वास्तविक अवसर है। एक बार पहले भी 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद यह अवसर आया था लेकिन उस समय भाजपा इस अवसर का लाभ उठाने की स्थिति में नहीं थी। यह भी कह सकते हैं कि वह लोकसभा चुनाव में मिली भारी भरकम जीत के बाद अति आत्मविश्वास में थी इसलिए 2015 के विधानसभा चुनाव में लालू प्रसाद और नीतीश कुमार की ओर से बनाए गए मंडल की राजनीति के नैरेटिव को बहुत हलके में लिया था। भाजपा नेता इस मुगालते में रहे कि नरेंद्र मोदी खुद पिछड़ी जाति के नेता हैं और उनका अखिल भारतीय करिश्मा ऐसा है कि उनके सामने लालू और नीतीश की पारंपरिक मंडल राजनीति नहीं टिकेगी। तभी चुनाव नतीजा भाजपा के लिए सदमे की तरह था और यही वजह रही कि पहला मौका मिलते ही वह फिर से नीतीश की शरण में पहुंच गई।

लेकिन इस बार भाजपा सावधान है और अपने दांव-पेंच आजमाने को तैयार है। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद उसने बहुत बारीकी से नीतीश कुमार को कमजोर करने की राजनीति की। चिराग पासवान का एनडीए से अलग होना और 2020 के विधानसभा चुनाव में सिर्फ जदयू के खिलाफ उम्मीदवार उतारना इसी राजनीति का हिस्सा था। इस राजनीति ने नीतीश कुमार की पार्टी को न सिर्फ तीसरे नंबर की पार्टी बनाया, बल्कि तीसरे दर्जे की पार्टी भी बना दिया। उनका अपना वोट आधार बहुत कम हो गया और राष्ट्रीय जनता दल लगातार दूसरी बार प्रदेश की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत के तौर पर

उभरी। इसके बाद सब कुछ लिखित पटकथा की तरह हुआ। नीतीश कुमार मंडल की राजनीति को बचाने और अपनी पार्टी के अस्तित्व की रक्षा के लिए राजद के साथ चले गए। उन्होंने लालू प्रसाद के साथ मिल कर सात पार्टियों का एक गठबंधन बनाया। जदयू और राजद के नेता इसे बड़ी राजनीतिक उपलब्धि मानते रहे लेकिन असलियत यह है कि उनकी इस राजनीति ने बिहार में विपक्ष का पूरा स्पेस भाजपा को सौंप दिया। अभी इकलौता विपक्ष भाजपा है और पूरा मैदान उसका है।

इससे पहले नवंबर 2015 से जुलाई 2017 तक यानी डेढ़ साल तक भाजपा इकलौते विपक्ष के तौर पर थी लेकिन तब वह विपक्ष की राजनीति करने की बजाय इस इंतजार में थी कि नीतीश कुमार कब वापसी करेंगे और भाजपा कब सत्ता में लौटेगी। वह विपक्ष के तौर पर काम करने की बजाय सत्ता में लौटने का इंतजार कर रही थी। इस बार तस्वीर अलग है। इस बार भाजपा ने अपने को मजबूत विपक्ष के लिए तैयार किया है। कुछ भाजपा की तैयारियों और कुछ भाजपा विरोधी पार्टियों की राजनीति ने ऐसा अवसर बनाया है, जिसका इस्तेमाल करके वह प्रदेश की केंद्रीय राजनीतिक ताकत बन सकती है। इतिहास में भाजपा के सामने ऐसा अवसर पहले कभी नहीं आया। वह कभी भी बिहार की मजबूत पार्टी नहीं रही है। एकीकृत बिहार में उसकी ताकत दक्षिण बिहार में थी, जो क्षेत्र बाद में झारखंड बना और जहां आज भी भाजपा एक बड़ी ताकत है। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने भी जैसा आधार दक्षिण बिहार यानी आज के झारखंड में बनाया था वैसा बिहार में नहीं बन सका था।

तभी बिहार में लालू प्रसाद की मंडल राजनीति को चुनौती देने के लिए भाजपा ने नीतीश कुमार को कंधे पर उठाया था। समता पार्टी के समय बना समीकरण दोनों के लिए फायदे वाला था इसलिए वह समीकरण चलता रहा। अब भाजपा खुद वह राजनीति करने की स्थिति में है। नीतीश कुमार के कमजोर होने और राजद की ताकत बढ़ने से भाजपा के लिए मौका बना है। खुद भाजपा ने भी कई राजनीतिक प्रयोग किए। सवर्ण, वैश्य और यादव नेतृत्व को आजमाने के बाद अंत में भाजपा वहां पहुंची, जहां से नीतीश कुमार ने शुरुआत की थी। नीतीश ने शकुनी चौधरी के साथ मिल कर समता पार्टी का गठन किया था और लव-कुश का समीकरण बनाया था। लव यानी कुर्मी का प्रतिनिधि नीतीश कुमार करते थे और कुश यानी कोईरी का प्रतिनिधित्व शकुनी चौधरी करते थे। अब भाजपा ने शकुनी चौधरी के बेटे सम्राट चौधरी को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। यह समय का पहिया 360 डिग्री पर घूमने जैसा है। याद करें 2014 के लोकसभा चुनाव में जब नीतीश अकेले लड़े थे तब उनको 16 फीसदी वोट मिला था। उसमें बड़ा हिस्सा उनके लव-कुश समीकरण का था और बाकी अतिपिछड़ी जातियों का वोट था, जो उनको मिला। अब उनके लव-कुश के कोर वोट में भाजपा ने सेंध लगाई है। दूसरे, लालू प्रसाद की पार्टी के मजबूत होने से अति पिछड़ी और महादलित जातियां, नए आसरे की तलाश में हैं क्योंकि उनको दिख रहा है कि अब नीतीश महागठबंधन में रहते हुए उनके हितों की रक्षा करने में सक्षम नहीं हैं। वे उनको सत्ता में हिस्सेदारी भी नहीं दिला सकते हैं।

सो, एक तरफ भाजपा की सोशल इंजीनियरिंग की राजनीति है, जिसमें गैर-यादव और गैर-कुर्मी पिछड़ी जातियों के लिए जगह बनी है और दूसरे राजद, जदयू, कांग्रेस और सभी लेफ्ट पार्टियों के एक साथ हो जाने से विपक्ष का पूरा स्पेस भाजपा को मिल गया है। पहले किसी की सरकार होती थी तो कम्युनिस्ट पार्टियां प्रदर्शन करती थीं अब सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाली एकमात्र पार्टी भाजपा है। जिसको भी सरकार से नाराजगी है उसके पास भाजपा के साथ जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। गैर यादव और गैर कुर्मी राजनीति करने वाली पार्टियों में मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी है और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक जनता दल है। ये दोनों पार्टियां भी भाजपा के साथ हैं या आ जाएंगी। महादलित राजनीति करने वाले जीतन राम मांझी भी भाजपा के साथ जुड़ गए हैं। और तमाम छिटपुट संकेतों के बावजूद सवर्ण बुनियादी रूप से भाजपा के साथ हैं हीं। सो, जो भाजपा कभी बिहार में हाशिए की पार्टी होती थी और जिसे हमेशा बैसाखी की जरूरत होती थी वह अपने दम पर एक बड़ा राजनीतिक व सामाजिक समीकरण बना कर लड़ने की स्थिति में है।

उसके मुकाबले महागठबंधन का जो समीकरण दिखाया जा रहा है वह एक बुलबुला है, जिसकी हकीकत अधिकतम 40 फीसदी वोट की है। भाजपा के रास्ते में एक बाधा नीतीश कुमार थे, उनके कमजोर होने से वह बाधा दूर हो गई है। महागठबंधन के नेता अब भी 2015 के चुनाव नतीजे की माला जपते हैं। लेकिन तब से गंगा में बहुत पानी बह चुका है। भाजपा अकेले वैकल्पिक राजनीतिक ताकत के तौर पर उभर चुकी है। और यह हकीकत है कि वर्जिन टेरेटरी यानी ऐसी जगह, जहां भाजपा कभी सत्ता में नहीं आई है वहां उसके लिए सबसे उर्वर जमीन होती है। वहां लोगों के में उत्सुकता रहती है कि वे भाजपा को आजमाएं। पिछले 33 साल से लालू प्रसाद और नीतीश कुमार की सत्ता देख रहे लोगों में अगर भाजपा को आजमाने की चाहना हो तो कोई बड़ी बात नहीं होगी। जातीय जनगणना और आरक्षण की राजनीति जदयू व राजद का आखिरी दांव है, जिसे आजमाया जा रहा है। अगर यह दांव चला तो हो सकता है कि भाजपा को अपनी सरकार बनाने के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है लेकिन लोकसभा चुनाव में भाजपा बहुत मजबूती से लड़ेगी।

अजीत द्विवेदी

विश्वास प्रगट या बौखलाहट ?

लोकसभा में नरेंद्र मोदी का भाषण शुरूआत में अपने आप पर, अपनी उपलब्धियों और जनता के विश्वास का हवाला देने वाला था। उन्होने विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को भगवान का आशीर्वाद बताया।देश की जनता को अखंड विश्वासी बताया। मतलब यह कि मेरा विश्वास जनता पर और जनता का विश्वास मेरे पर! और इसे मानने में हर्ज नहीं है। जनता का मूड और खासकर हिंदीभाषी प्रदेशों में लोगों का मूड ऐसा ही है। हिंदीभाषी हिंदुओंऔर देश के कोई 38 प्रतिशत मतदाताओं की मोदी के प्रति अंधभक्ति है। तभी सवाल है कि उन्हे सवा दो घंटे के अपने भाषण में विपक्ष और कांग्रेस के इतने क्रियाकर्म की क्या जरूरत थी? नरेंद्र मोदी ने कोई 45 बार कांग्रेस का जिक्र किया। कांग्रेस और कांग्रेस के खानदान की हर तरह से ऐसी तैसी की।

सोचे, जब विपक्ष जर्जर है। खुद मोदी यूपीए का बेगलूरू में अंतिम संस्कार हुआ बता रहे है। उसे खंडहर बता रहे है। सत्ता पक्ष चौके-छक्के मारते हुए है जबकि विपक्ष नो बॉल करता हुआ। विपक्षियों को बहीखाता बिगड़ा हुआ है। वे शुतुरमुर्गी है। विपक्ष के काले कपड़ों से मोदी का मंगल है। विपक्ष जो चाहेंगा उससे उलटा मेरा भला होगा, हमारा कल्याण होगा का उनका अनुभव है। तो अपने पर ईश्वर के इस वरदान (विपक्ष) पर नरेंद्र मोदी को वह सब क्यों बोलना था जिससे उनकी जुबान गंदी हुई। उनका भाषण सड़क छाप हुआ?

राहुल गांधी या विपक्ष कुछ भी बोले, यदि इससे उनका (मोदी का) भाग्योदय था और वरदान है तो नरेंद्र मोदी को वैसा ही नहीं बोलना था जैसे बतौर प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी ने या इंदिरा गांधी ने अपने खिलाफ रखे गए अविश्वास प्रस्तावों पर बोला?

हां, याद करें, सन् 2014 या 2019 के संसद में बतौर प्रधानमंत्री के खुद नरेंद्र मोदी के शुरूआती तथा अविश्वास प्रस्ताव के भाषण को। सन् 2019 में भी नरेंद्र मोदी का कांग्रेस पर हमला था। पर इस अंदाज में कि ये मेरे खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाए हुए है जबकि खुद बिना आत्म विश्वास के है। ये कैसे देश की रक्षा करेंगे। गांधी परिवार का इतिहास सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल, चरणसिंह, मोरारजी आदि सभी के साथ धोखे का रहा है। तब राफेल का मामला था और राहुल गांधी भाषण के बाद मोदी के पास जा कर उनके गले लगे थे। ठिक पांच वर्ष बाद राहुल गांधी ने क्या बोला? नरेंद्र मोदी ने सवा दो घंटे क्या कहा? कुछ मामलों में भाषण के एक ही पैटर्न के बावजूद नरेंद्र मोदी और अमित शाह दोनों की विपक्ष और खासकर कांग्रेस व इंडिया एलायंस से बनी घनघोर-जानी चिढ़ कई जुमलों से जाहिर हुई है। चेहरे से भी झलकी।

दरअसल, मणिपुर मसले पर विपक्ष ने एकजुटता से नरेंद्र मोदी के मौन को मुद्दा बनाया।इससे मोदी-अमित शाह दोनों में झुंझलाहट बनी। विपक्ष में किसी ने बतौर गृह मंत्री अमित शाह पर ठीकरा नहीं फोड़ा। कोई नहीं बोला कि बतौर गृहमंत्री वे दोषी है और इस्तीफा दे। तभी अमित शाह को गिला यह था कि विपक्ष उन्हे सुनने को तैयार नहीं। अमित शाह ने अपने भाषण में बाकायदा कहा कि विपक्ष मणिपुर जैसे मुद्दे पर गृह मंत्री को सुनना नहीं चाहता। आप (गृह मंत्री) मुझे चुप नहीं कर सकते हैं।

जाहिर है विपक्ष ने पहले दिन से मणिपुर पर नरेंद्र मोदी के बोलने का मांग पकड़ी हुई थी।जब अमित शाह ने संसद में अपना भाषण दिया तो मामूली बात नहीं जो कांग्रेस के अधिरंजन चौधरी ने कहा कि हमें डीएम को सुनना है कोतवाल को नहीं!

तभी नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस और विपक्ष को घमंडिया कहा तथा इंडिया एलायंस पर बरसे। इसके पीछे नवंबर बाद की उन घटनाओं का भी योगदान है जो मोदी राज के लिए अप्रत्याशित है। घटनाएं क्योंकि अब नरेंद्र मोदी के कैलेंडर व रणनीति माफिक नहीं हो रही है तो नित नई परेशानी है।सोचे, अरविंद केजरीवाल और कांग्रेस के तालमेल में राज्यसभा में जब डा मनमोहन सिंह पहुंचे तो कितने परेशान हुए होंगे। कर्नाटक में बुरी हार हुई और राहुल गांधी जेल की बजाय लोकसभा लौट आए तो बौखलाना स्वभाविक।तभी नरेंद्र मोदी ससंद में वह बोले जो हिसाब प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति को कतई नहीं बोलना चाहिए। पीएम के लिए तो सडक की नुक्कड सभा में भी ऐसा भाषण शोभादायी नहीं हो सकता। क्या आप नहीं मानते?

हरिशंकर व्यास

छुआछूत की बीमारी की तरह फैलती है हिंसा

हिंसा के शिकार लोगों को समझाना जरुरी है। बदला लेने की मानसिकता नुक़सान करवाती है, ताकि वो फिर उसी हिंसक दुष्चक्र में न फंस जाएं। कोई शराबी है या ड्रग का आदी है, तो उसकी इलाज करने में मदद की जाती है। फिर उसे रोज़गार दिलाने की कोशिश होती है। तभी कोई भी शख़्स एकदम से बदला हुआ नज़र आ सकता है। लोगों के बर्ताव में बदलाव लाकर हम कई चुनौतियों को जड़ से ख़त्म कर सकते हैं। जैसे साफ़-सफ़ाई की आदत से डायरिया जैसी बीमारी को रोका जा सकता है। ये क़दम तब और असरदार हो जाते हैं, जब एक पीड़ित, दूसरे की मदद करता है। वो अपने ख़ुद के तजुर्बे साझा कर के लोगों का भरोसा जीत सकते हैं। जैसे कोई टीबी-हैजा के मरीज़ रहे लोग इसके शिकार लोगों के बीच काम करें। हिंसक बर्ताव एक महामारी है, जो छुआछूत की बीमारियों की तरह एक इंसान से दूसरे इंसान में फैलती है।

बुद्धिमान लड़ाई से पहले जीतते हैं, जबकि अज्ञानी जीतने के लिए लड़ते हैं। संघर्ष के प्रति बुद्धिमान दृष्टिकोण लड़ाई या हिंसा में शामिल होने से पहले योजना बनाना और रणनीति बनाना शामिल है, जबकि अज्ञानी दृष्टिकोण परिणामों या संभावित परिणामों पर विचार किए बिना केवल लड़ना या हिंसा करना है। अर्थात बौद्धिक विचार यह है कि किसी स्थिति का सावधानीपूर्वक आंकलन करके और सूचित निर्णय लेकर, कोई भी व्यक्ति शारीरिक युद्ध या हिंसा का सहारा लिए बिना जीत हासिल कर सकता है। यह उद्धरण सलाह देता है कि बुद्धिमानी ऐसी स्थिति को पहले से ही भांप लेने में है जो हिंसा में बदल सकती है और फिर इससे बचने के लिए अपने संसाधनों का उपयोग करना चाहिए।

क्या होता है जब हिंसा को टाला नहीं जा सकता? जब कूटनीति के प्रयास विफल हो जाते हैं, तब भी दुश्मन की ताकत और कमजोरियों का आंकलन करके दूसरे पक्ष पर तुरंत काबू पाने के लिए हिंसा को टाला जा सकता है। दुश्मन या विपक्षी को भ्रमित करने और उनके संसाधनों को बर्बाद करने के लिए धोखे और झूठ का भी इस्तेमाल किया जाता है। हिंसा को क़ानून-व्यवस्था के मसले जैसा समझने के बजाय, इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य की चुनौती के तौर पर लिया जाये। हिंसक बर्ताव एक महामारी है, जो छुआछूत की बीमारियों की तरह एक इंसान से दूसरे इंसान में फैलती है। जो लोग हिंसा के पीड़ित होते हैं, उनके हिंसा करने की आशंका बढ़ जाती है। ÷हिंसा को ठीक उसी तरह रोका जा सकता है, जैसे गर्भधारण से जुड़ी चुनौतियां, काम के दौरान लगने वाली चोटों या संक्रामक बीमारियों को रोका जाता है। ÷दिक़्क़त ये है कि दुनिया भर में हिंसा से सख़्ती से निपटने की सोच हावी है। इसलिए हिंसक घटनाओं पर हंगामा होते ही, नेता हों या जनता, सख़्त क़ानून की मांग करने लगते हैं।

इंसान अक्सर जोखिम भरा बर्ताव करता है, ख़तरों से खेलता है। जैसे कि नुक़सान पता होने के बावजूद स्मोकिंग करना या फिर पेट भरने के बावजूद ज़्यादा खाना। बिना एहतियात बरते सेक्स करना। डॉक्टर हमेशा कहते हैं कि इलाज से बचाव बेहतर है। यानी किसी मर्ज़ को होने से ही रोका जाए। लेकिन, जब बात हिंसक बर्ताव की आती है, तो, इससे निपटने का एक ही तरीक़ा लोग बताते हैं, क़ानून सख़्त बना दो। जैसे हाल ही में 12 साल से कम उम्र की बच्ची से बलात्कार पर मौत की सज़ा का प्रावधान। या फिर भीड़ की हिंसा से निपटने के लिए सख़्त क़ानून बनाने पर हमारे देश में विचार चल रहा है। हिंसा को इंसान का जन्मजात बर्ताव मान लिया गया है, जिसे बदला नहीं जा सकता। सोच यही है कि जो लोग हिंसा करते हैं, उन्हें सही रास्ते पर नहीं लाया जा सकता। इसलिए सख़्त क़ानूनों की बात ही की जाती है। लेकिन, सख़्त क़ानूनों से बात बनती होती, तो कब की बन जाती। सऊदी अरब और ईरान में कई जुर्मों के लिए मौत की सज़ा है। मगर अपराध तब भी नहीं रुकते। भारत में भी कई अपराधों के लिए मौत की सज़ा मिलती है। मगर वो जुर्म अब भी होते हैं। हिंसा से किस प्रकार बचा जा सकता है? आज देश के जातीय दंगों के संदर्भ में, यह उद्धरण दो समुदायों के बीच संघर्षों को सुलझाने में कूटनीति और बातचीत के महत्व पर प्रकाश डालता है। हिंसा का सहारा लेने के बजाय, जिसके सभी संबंधित पक्षों के लिए विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, बुद्धिमान नेता बातचीत और समझौते के माध्यम से शांतिपूर्ण समाधान ढूंढने का प्रयास करता है। प्रायः पड़ोसी राज्यों या धार्मिक समुदायों के बीच संघर्ष अक्सर होते रहते हैं, इसलिए हिंसा की घटनाओं को कम करने की दिशा में क्षेत्रीय एकीकरण एक महत्वपूर्ण प्रगति है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,
हरियाणा

अमर शहीदों को आओ नमन करें

आइए नमन करे उन जांबाज
अमर शहीदों को
जिसने भारत माता के चरणों को अपने पावन खून से अभिषेक किया।उनकी गौरव गाथा को आइए याद करे, जिन्होंने भारत माता के आन- बान-शान और सम्मान के लिए आजादी की वेदी पर अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उनका बलिदान,उनका योगदान,यूँ ही ब्यर्थ न जाए इसका हमे भान रहे,ध्यान रहे।
हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने कैसे अपना सर्वस्व समर्पित कर आजादी के आंदोलन में भाग लिया,कैसे आभावों में रहकर,पीड़ा सहकर अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए भारत माता के चरणों मे अपने प्राणों की बलि चढ़ा दी।आइए हम शपथ ले कि हम भारत माता के चरणों मे श्रद्धा के फूल समर्पित करते हुए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को उनके योगदान पर धन्यवाद,आभार प्रदर्शन करें, उनके पद चिन्हों में पर चल कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करें।और अपने देश की मान मर्यादा,स्वाभिमान
अस्मिता को बनाये रखने के लिए सतत प्रयास करें।और सतत यह संकल्प लेते रहें-
मेरे देश के महान शहीदों
तेरे खून का एक-एक कतरा,
हम यूँ ही व्यर्थ न जाने देंगे
तेरा हम पर उपकार है।
यह सतत संकल्प लेते रहेंगे।
इस मिट्टी के हम ऋणि हैं,
तेरे खून से लाखों सेनानी पैदा होंगे।
और अपनी जान देकर चुकाएंगे
हम अपना कर्तव्य निभाएंगे।
तेरा मस्तक ऊंचा उठाएंगे।
देश के अमर शहिदों के प्रति हमारे मन में यदि सच्ची आस्था है तो उनके त्याग ,बलिदान को हमें सतत याद करना होगा।जिनके योगदान से हमें आजादी मिली। आइए हम उनको नमन करें। साथ ही साथ बापू जी के सपने राम राज्य,नेहरू जी के सिद्धांत पंचशील,सुभाष चन्द्र बोस की सैन्य शक्ति की सशक्तता,सरदार पटेल की दृढ़-समृद्ध भारत, आत्मनिर्भर भारत,और बलिदानियों की सोंच व अपनी धरती, अपना आसमान के सपनो को साकार करने में अपना योगदान दें।
इसके अलावा हमारे देश में रामराज्य के सपने, प्राचीन भारत की संस्कृति,सभ्यता,और धर्म के प्रति आस्था,विस्वास,को जगाएं।जहाँ पर हमारा समाज भय-भूख,गरीबी,अराजकता,असमानता ,भ्र्ष्टाचार से मुक्त हो,सबको समान अधिकार मिले,सबको उचित न्याय मिले,संसाधनों का उचित समान लाभ मिले। शासन की योजनाओं का आम जन मानस को उचित लाभ मिले।तभी हमारे अमर शहीदों की आत्माओं को शान्ति मिलेगी,और आजादी का हम सही उत्सव मना पाएंगे।और यह आजादी का पर्व सार्थक हो पायेगा।

अशोक पटेल आशु
,शिवरीनारायन
(छ ग)

बाप-बेटी के रिश्तों की एक ह्रदयस्पर्शी मार्मिक कहानी

निःशब्द

बिटिया रानी....! मैं सोच रहा हूँ कि तुम पढ़ाई करती रहो और साहित्य सेवा भी; जिससे हमारी साहित्यसेवा बढ़ती रहे। साहित्य सृजन के जरिये हमारी समाजसेवा भी होगी। मुझे तो अभी और आगे बहुत कुछ करना है। तुम क्या सोचती हो इस बारे में ? क्या तुम सहमत हो मेरे इस बात से ?÷ एक साहित्यकार पिता इंद्रजीत ने रूही के पास अपनी स्नेहपूर्वक बात रखी।

थोड़ी देर सोचने के बाद रूही बोली- हाँ... हाँ...! पापा क्यों नहीं... ? मुझे आपके साथ अधिक से अधिक समय बिताने को भी मिलेगा; और एक साथ कार्य करने में अच्छा भी लगेगा। रोज अखबारों के पन्नों में बड़े-बड़े अक्षरों में आपके नाम के साथ मेरा भी नाम आएगा।.रूही की बातें सुन इंद्रजीत जी हँस पड़े।

रूही मुँह बनाते हुए बोली- पापा ! इसमें हँसने वाली क्या बात है ? हम ऐसा कार्य करेंगे तो हम दोनों का एक साथ नाम नहीं आएगा क्या ?

इंद्रजीत जी बोले- बेटा, एक बात जिंदगी में हमेशा ध्यान रखना कि लोगों को नाम के पीछे नहीं भागना चाहिए। कुछ ऐसा काम करो कि स्वयं तुम्हारा नाम हो जाय। हमें लोगों को बताने की जरूरत नहीं पड़ना चाहिए कि हम ऐसा काम कर रहे हैं या बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। जताने की जरूरत नहीं है।

रूही अपना एक हाथ आगे करते हुए बोली- बस ..बस... पापा जी हो गया। इंद्रजीत जी को रूही बिटिया का जरा सा रूठना समझ आ गया। बोले- आज तुम्हें मेरी बात समझ नहीं आएगी। जब तुम जिंदगी का मतलब समझोगी, तब तुम्हें सब एहसास होगा।

रूही बोली- पापा जी, ये सब बातें मेरी समझ से परे हैं। वैसे भी आप तो मेरे साथ हो ही हमेशा, तो मुझे किस बात की फिक्र रहेगी ; भला बतताइए। फिर इंद्रजीत जी बोले- मेरी रानी....! हमेशा तुम मेरे भरोसे मत रहा करो न भाई। कभी खुद भी कुछ कर लिया करो।

छोड़ो ना पापा जी, आप भी बस इन्हीं बातों को लेकर बैठ गए ? आप भला कहाँ जायेंगे; बताइए ? चलिए, अब रात बहुत हो चुकी है। सोते हैं। कल सुबह क्या करना है। इसकी योजना तैयार करेंगे। गुड नाईट पापा जी। कहते हुए रूही अपने बेडरूम में चली गयी।

अगली सुबह रूही की आँखें देर से खुली। उठी। उसे इंद्रजीत जी नहीं दिखाई दिये। सोचने लगी कि इतनी देर हो गयी आज पापा मुझे आवाज क्यों नहीं दे रहें है। थोड़ी भी देर होती तो, वे रूही उठो न कितना सोओगी री लड़की। रात भर नहीं सोयी हो क्या। जल्दी उठ कर व्यायाम करना चाहिए ना। कुछ भी नहीं। रूही आज स्वयं उठ गयी थी। इंद्रजीत जी को देख कर घबरा गयी। बोली- क्या हुआ पापा जी, आप ठीक तो है ना ? क्यों बार-बार पसीना आ रहा है आपको ? हाँफ क्यों रहे हैं आप ? मम्मी... मम्मी...! पापा जी ठीक तो है ना ?

इंद्रजीत जी बोले- थोड़ी तबीयत ठीक नहीं लग रही है बेटा। तभी मम्मी बोली- चलिए डॉक्टर के पास चलते हैं।

इंद्रजीत जी को डॉक्टर के पास ले जाने वाले ही थे कि पता नहीं रूही की आँखों से आँसू रुक ही नहीं रहे थे। तभी इंद्रजीत जी बोले- मैं जल्दी आऊँगा बेटा। डोंट वरी माय डियर। इंद्रजीत जी ने कहा।

नहीं पापा जी। मैं भी आपके साथ जाऊँगी। रूही की जिद में अनुरोध था। अंततः रूही का इंद्रजीत जी के साथ जाना नहीं हो पाया। घर वालों को इंद्रजीत जी का इंतजार करते काफी समय हो गया। थोड़ी देर बाद खबर मिली कि वे अब कभी वापस नहीं आयेंगे।

साहित्यकार पिता इंद्रजीत जी की नयन बिछायी पुत्री रूही अब तक निःशब्द हो चुकी थी।

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

वंदे मातरम

आओ स्वतंत्रता दिवस मनाए
भारत का झंडा लहराए
देश की खातिर जो मर मिटे
आओ उनको दिल से सलामी दे
गूंजे आवाज़ गगन में
जय हिन्द जय भारत के उदघोष से
लहराए तिरंगा हमारा
देखे विश्व ये सारा
भारत के वीर जवानों को
याद करे हम सब दिल से
देश पर जो मर मिटे
हमारी सुरक्षा की खातिर
वो वीर जवान अमर रहे
हमारी हर सांस में
वंदे मातरम् की भावना से
ओत पोत हर दिल रहे
वंदे मातरम् वंदे मातरम्
जय हिन्द जय भारत

स्वतंत्रता दिवस की सभी को शुभकामनाए

केशी गुप्ता
द्वारका
दिल्ली

बहारे अब फिर लौट आयेगी

संकटो से घिरा गर आकाश है
होसले की तरकश भी पास है
उम्मीद की लौ जलाई जायेगी
बहारे अब फिर लौट आयेगी
अगर पतझड़ का ही मौसम है
सुख-दुख जीवन मे तो सम है
सुहाना समय खुद दोहरायेगी
बहारे अब फिर लौट आयेगी
हानि-लाभ किस्मत का खेल
जीवन मे लगा अब रेलमपेल
कसमेवादे भी निभाई जायेगी
बहारे अब फिर लौट आयेगी
हर सफर अब सुहाना होगा
गम का किस्सा पुराना होगा
नई सुबह फिर लौट आयेगी
बहारे अब फिर लौट आयेगी
यादों की अब नित बाराते हो
सुन्दरतम अब तो हर रातें हो
यादों की किस्से सज जायेगी
बहारे अब फिर लौट आयेगी

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी
छत्तीसगढ़.

दिवास्वप्न

प्रकाश छोड़ो अँधेरे की तलाश...
उस खोज का आनंद लें
सारा दिन हमारे लिए रात हो गयी
इसलिए...
जितना सो सकें हम सो रहे हैं
उस नींद की हलचल में
सपना आ रहा है...
एक सपना ऐसा. वह दिवास्वप्न
ज्ञान समझता है मैं नहीं समझता...
द रीज़न हमारे लिए प्रकाश
यह बहुत दूर है हमें अंधेरा करो
यह बहुत करीब है...
तो हमारे लिए
बिल्कुल कोई मदद नहीं
दिन में सपने देखने को
इसका अंत अच्छा हुआ...
वह भी बढ़िया है

ओत्तेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई,
तमिलनाडु

भोले से लेन-देन

भोले-भोले तू जपले मितवा,
भोले रंग चढ़ जाएगा,
छोड़ दे सारी दुनियादारी,
जीवन को महकाए जा।
भोले-भोले तू ....
कदम-कदम जैसे-जैसे तू,
भोले की और जाएगा,
भक्ति की गगरी से जैसे,
चरणामृत तू पाएगा।
भोले-भोले तू .....
ये तन तो कुछ देर का साथी,
मिट्टी में मिल जाएगा,
जो मन जोड़ लिया भोले से,
अमर बूटी पा जाएगा।
भोले-भोले तू ....
इसका लेना,उसका देना,
समय व्यर्थ हो जाएगा,
बस भोले से लेन-देन कर,
सारे सुख पा जाएगा।
भोले-भोले तू ....
देने की जो रही भावना,
सब तेरा हो जाएगा,
भोले ही हैं अंतर्यामी,
तू जीवन पा जाएगा।
भोले-भोले तू ....

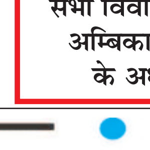

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
सी स्पेशल,
गांधीनगर, इन्दौर

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

पुलिस ग्राउंड में जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह का हुआ फाइनल रिहर्सल

उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव होंगे समारोह के मुख्य अतिथि

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 13 अगस्त 2023
(घटती घटना)

जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह का फाइनल रिहर्सल रविवार को पुलिस ग्राउंड में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री श्री टीएस सिंहदेव ध्वजारोहण करेंगे व परेड की सलामी लेंगे। इस वर्ष आजादी के अमृत महोत्सव की समाप्ति के अवसर पर समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया जाएगा।

रविवार को हुए रिहर्सल में मुख्य अतिथि की भूमिका निभाते हुए अपर कलेक्टर श्री टीसी अग्रवाल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। राष्ट्रगान के बाद परेड की सलामी ली गई। जिला पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बल के जवानों द्वारा आकर्षक मार्चपास्ट एवं परेड का प्रदर्शन किया गया।

मुख्य अतिथि की भूमिका निभाते हुए श्री अग्रवाल सहित नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विवेक शुक्ला द्वारा सफेद जिप्सी में परेड का निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही समारोह के मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम का अभ्यास किया गया तथा स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का अभ्यास किया गया। इस दौरान वीवीआइपी, वीआईपी, शहीदों के परिजनों, मीडिया तथा आमजनों के बैठक व्यवस्था, प्रवेश, वाहन पार्किंग आदि की जानकारी ली गयी और संबंधितों को बेहतर व्यवस्था हेतु निर्देशित किया गया।

8 किलो गांजा के साथ चार आरोपी गिरफ्तार, बिक्री के लिए कर रहे थे ग्राहक की तलाश

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 13 अगस्त 2023
(घटती घटना)

कोतवाली पुलिस 8 किलो गांजा के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चारो आरोपी घुटरापारा खैरबार नर्सरी के पास झोला व पिट्ठू बैग में गांजा बिक्री करने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की कीमत 1 लाख हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 20 बी एनडीपीएस के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह को मुखबिर से सूचना मिली की घुटरापारा खैरबार नर्सरी के पास चार युवक गांजा बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। जानकारी मिलते ही कोतवाली प्रभारी ने मामले की जानकारी एसपी सुनील शर्मा को दी। एसपी के निर्देश पर तत्काल टीम को रवाना किया गया। कोतवाली प्रभारी के नेतृत्व में टीम ने खैरबार नर्सरी के पास पहुंचकर घेराबंदी कर संदेहियों को हिरासत में लेकर उनके पास रखे प्लास्टिक के झोला व पिट्ठू बैग की तलाशी ली गई तो 8 किलो ग्राम गांजा पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त कर आरोपी कोतवाली क्षेत्र के घुटरापरा निवासी पोरस नायक पिता स्व.पनवा नायक उम्र 25 वर्ष, मुन्ना कुमार गुप्ता पिता राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता उम्र 34 वर्ष निवासी खैरबार, अताउल्ला हासमी पिता रफीबुल्ला हासमी उम्र 26 वर्ष निवासी मायापुर, विवेक उपाध्याय पिता श्यामधर उपाध्याय उम्र 28 वर्ष निवासी चांदनी चौक मायापुर को गिरफ्तार किया गया। जब्त गांजे की कीमत 1 लाख 60 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। प्रधान आरक्षक अमित प्रताप सिंह, आरक्षक चंचलेश सोनवानी, रुपेश महंत, अमित राजवाड़े, शिव राजवाड़े शामिल रहे।

नक्सलों को खदेड़ने वाले सीआरपीएफ 62 वीं बटालियन के जवानों ने मनाया 44 वां स्थापना दिवस

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 13 अगस्त 2023
(घटती घटना)

सरगुजा के संभाग के बलरामपुर से नक्सलों को खदेड़ने वाले सीआरपीएफ 62वीं बटालियन के जवानों ने अपना 44 वॉ स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। अम्बिकापुर स्थित 62 वीं बटालियन में प्रमोद कुमार सिंह कमाण्डेन्ट के नेतृत्व में बटालियन मुख्यालय अम्बिकापुर तथा भिन्न-भिन्न स्थानों पर तैनात बटालियन की कम्पनियों के तैनात कार्मिकों के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों की शुरुआत करते हुए प्रमोद कुमार सिंह कमाण्डेन्ट द्वारा देश के लिए कर्तव्य वेदी पर न्योछावर हुए 62 वीं बटालियन के 84 शहीद कार्मिकों को श्रद्धांजलि दी गई। उन्होंने यूनिट के क्वार्टर गार्ड पर सलामी ली गई। कमाण्डेन्ट ने बटालियन के सभी जवानों को सम्बोधित करते हुए बताया कि, आज ही के दिन 13 अगस्त 1979 को 62 वीं वाहिनी की स्थापना भुवनेश्वर ग्रुप केन्द्र में तत्कालीन आंतरिक सुरक्षा विरोधी परिस्थितियों से निपटने हेतु हुई थी।

आज इस बटालियन ने मातृभूमि की सेवा व रक्षा में 44 वर्ष पूर्ण कर लिये हैं। कमाण्डेन्ट ने बताया कि 2009 में यह बटालियन घनघोर रूप से नक्सलवाद की आग में जलते हुए छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर संभाग के सुकमा जिले में तैनात की गई। इसी क्रम में अपने कर्त्तव्यों को दृढ़ता से निभाने के दौरान 62 वीं बटालियन ने 6 अप्रैल 2010 को तत्कालीन सुकमा जिले के ताड़मेटला, चिंतलनार गाँव के पास 700 से अधिक नक्सलियों का सामना बहादुरी से करते हुए और अपने प्राणों की परवाह न करते हुए सर्वोत्तम बलिदान देकर मातृभूमि का कर्ज अदा किया। कमाण्डेन्ट ने बताया कि विगत एक दशक से 62 वीं बटालियन, सरगुजा संभाग के बलरामपुर जिले में तैनात रहकर झारखण्ड सीमा से सटे बूढ़ा पहाड़ के घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों जैसे कुसमी, चान्दो, रामानुजगंज, सामरी, सबाग, बन्दरचुआ, चूनचूना, जलजली, चरहो, भुताई, पुन्दाग आदि क्षेत्रों में जबरदस्त नक्सल विरोधी ऑपरेशन चलाती रहती है। विगत वर्ष 2022 के मार्च माह में भूताही मोड़ तथा सितम्बर 2022 में पुन्दाग गाँवों में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के व छत्तीसगढ़ पुलिस के संयुक्त टास्क फोर्स हेतु कैम्पों की स्थापना की। इसी बजह से दबाव में आकर तथा लगातार ऑपरेशन लान्च होते रहने से पुन्दाग क्षेत्र के नक्सल ग्रुपों की कमर टूट गई है। यही कारण है कि पिछले 18 माह में कई नक्सल आत्मसमर्पण कर चुके हैं। कमाण्डेन्ट ने 62 वीं बटालियन के सबाग से पुन्दाग तक लगे कैम्पों में रह रहे जवानों को विशेष रूप से बधाई दी तथा कहा कि आपलोगों के जोश व कर्तव्य के प्रति जज्बे के कारण आज आजादी के 77 वर्षों में पहली बार ऐसा हुआ है कि बन्दरचुआ से भुताई, पुन्दाग तक के गाँव वालों को लोकतांत्रिक व्यवस्था दिखाई देने लगी। 62 वीं बटालियन के सुरक्षा कवच की ओट में सुरक्षित रहते हुए ग्रामीणों ने हाट-बाजार लगाना बेधड़क शुरू कर दिया है। सड़क तथा बिजली के खंभे भी स्थानीय प्रशासन के प्रयास द्वारा नक्सल प्रभावित गाँवों तक पहुंचने लगे है। चाहे राशन वितरण हो या 62 बटालियन का सिविक एक्शन कार्यक्रम द्वारा खेल-कूद, पढ़ाई-लिखाई, घरेलू प्रयोग का सामान बाँटने का कार्यक्रम हो, चाहे 62वीं बटालियन द्वारा लगाये गये चिकित्सा जाँच शिविर हो सभी में ग्रामीण मारी संख्या में बेधड़क पहुँचते हैं तथा लाभ उठाते है। अपने वाले विधानसभा तथा लोकसभा चुनावों को सफलता पूर्वक जनता के बीच करवाकर 62वीं बटालियन नये आयाम स्थापित करेगी ऐसा कमाण्डेन्ट ने विश्वास जताया। बटालियन मुख्यालय में वृक्षारोपण का भी आयोजन किया गया तथा क्रिकेट मैच का आयोजन भी किया गया। साथ ही प्रमोद कुमार सिंह कमाण्डेन्ट एवं उपस्थित अधिकारीगण, अधिनस्थ अधिकारीगण एवं जवानों ने मिलकर बड़ेखाने में भाग लेकर 62 वीं वाहिनी के स्थापना दिवस का सफल समापन भी किया।

दो विषयों में पूरक परीक्षा करवाने की मांग,एनएसयूआई ने सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 13 अगस्त 2023
(घटती घटना)

एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव हिमांशु जायसवाल ने संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलपति को ज्ञापन सौपा एवं बताया की हजारों छात्रों को दो विषयो में फेल किया गया है जिसमे बहोत से छात्र परेशान और हताश है दो वर्षो से कोरोना काल में बच्चो के पढ़ाई का स्तर नीचे आया है जिसमे हजारों छात्र दो विषयो में फेल हो गए है और कई छात्र अपने परिणाम से असंतुष्ट है उन्हे अपने साल बर्बाद होने का भय है प्रदेश महासचिव हिमांशु जायसवाल ने बताया की हम सबने छात्रहित में मांग किया है की एक विषयो में पूरक परीक्षा के नियम को संशोधित करते हुए छात्रहित में दो विषयो में फेल छात्रों को भी पूरक की पात्रता मिल सके जिससे हजारों छात्रों के भविष्य को संरक्षित हो सके अगर एक विषय के नियम को हटाकर दो विषयो की पूरक की परीक्षा होती है तो बहुत से छात्रों का साल बर्बाद होने से बच जायेगा ज्ञापन को प्रतिलिपि के साथ निवेदन पत्र छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल , उप मुख्यमंत्री टी एस सिंह देव एवं उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल के नाम पत्र भेजा एवं छात्रहित में उचित निर्णय लेने की मांग किया ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता, खेल प्रकोष्ठ एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष रजत सिंह, वैभव पांडे,प्रमोद, आयुष आदि उपस्थित हुए।

18 साल की उम्र पूरी होने पर हर व्यक्ति को वोट डालने का है अधिकार

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 13 अगस्त 2023
(घटती घटना)

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के नेतृत्व में जन शिक्षण संस्थान सरगुजा और स्वीप सरगुजा के तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन नवापारा अंबिकापुर में किया गया। जिसमें जन शिक्षण संस्थान सरगुजा के निदेशक एम सिद्दीकी ने अपने नेतृत्व में स्किल डेवलपमेंट कोर्स के सभी हितग्राहियों के साथ व स्वयं सेवकों के साथ अलग-अलग श्रृंखला में कतार बद्ध पंक्तियों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सौ प्रतिशत मतदाता जागरूकता एवं कार्यक्रम का आयोजन किया। आयोजित कार्यक्रम में जिले एवं संभाग के शीर्षस्थ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की गरिमा के अनुरूप अधिक से अधिक संख्या में विद्यार्थियों समेत सभी कर्मचारी एवं अधिकारी सम्मिलित रहे। संस्था के निदेशक एम सिद्दीकी ने कहा कि हमारा भारत लोकतांत्रिक देश है। यहां पर हर व्यक्ति जो अपनी 18 साल की उम्र पूरी कर चुका है। उसे वोट डालने का अधिकार है। मतदान का एक महत्व हर व्यक्ति को समझना चाहिए। हर व्यक्ति के पास अपने वोट की शक्ति को अपने देश के प्रति इस्तेमाल करना अनिवार्य है और इमानदारी के साथ अपने देश के ईमानदार और नेक शासक उम्मीदवार को वोट देकर उसे विजय बनाना चाहिए ताकि देश के विकास में सुधार आ सके और देश प्रगति की राह पर आगे बढ़ सके।

सूरजपुर व सरगुजा फॉरेस्ट क्लब की टीम ने जीता मैच

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 13 अगस्त 2023
(घटती घटना)

नवापारा चर्च मैदान में खेले जा रहे संत मदर टेरेसा गोल्ड कप फुटबॉल प्रतियोगिता के अन्तर्गत रविवार को दो मैच खेले गए। प्रथम मैच एसटी-11 सूरजपुर व बतौली बिलासपुर के मध्य खेला गया। जिसमें एसटी-11 सूरजपुर ने 3-0 गोल से मैच जीत लिया। दूसरा मैच सरगुजा फॉरेस्ट व फुटबॉल क्लब केशवपुर के मध्य खेला गया। फॉरेस्ट की टीम ने अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए 2-0 गोल से मैच जीत लिया। मैच के मुख्य अतिथि अरविन्द मिंज, विलियम टोप्पो, जगजीत मिंज थे। मंगलवार को फुटबॉल क्लब बलसेड़ी व 10 वीं बटालियन अंबिकापुर के मध्य खेला जाएगा।

किशोरी ने फांसी लगाकर दी जान

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 13 अगस्त 2023
(घटती घटना)

अंबिकापुर। एक किशोरी अज्ञात कारण से फांसी लगा ली। परिजन उसे फंदे से उतारकर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार इशिका पिता रामकुमार सिंह उम्र 17 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम बरगांवा की रहने वाली थी। वह रविवार की सुबह करीब 11 बजे घर में फांसी लगा ली। इस दौरान घर में केवल इसकी छोटी बहन थी। पिता मां का इलाज कराने डॉक्टर के पास गए थे। वापस आने पर उसे फंदे से उतारकर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मंजू मुखर्जी बनीं सावन सुन्दरी

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 13 अगस्त 2023
(घटती घटना)

अम्बिकापुर. महिला कांग्रेस की महिलाओं ने सावन उत्सव उत्साह से मनाया। मंजू मुखर्जी सावन सुंदरी चुनी गयीं। एक तरह के परिधान में सजी धजी महिलाओ के बीच विभिन्न खेल प्रतियोगिता रखी गयी। महिलाओ ने इन सब मे बढ़ चढ़ कर भाग लिया।महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष सीमा सोनी की अगुवाई में महिलाएं छतीसगढ़ी और सरगुजिहा परंपरागत गीतों पर जमकर झूमी। कैटवॉक में विशु और नींबू दौड़ में गीता रजक विजयी रही।कार्यक्रम में महिला आयोग कि सदस्य नीता विश्वकर्मा, रूही गजाला ,नुजहत फातिमा नीलू, गीता प्रजापति, सरला राय, संध्या रवानी,ममता सिंह, गांगी बाई, एंजेला केरकेट्टा, नगमा, हीरो बड़ा, सावित्री सारथी रेणु, फौजिया बाबर, चित्रा मिश्रा, रजनी महंत, सपना सिन्हा, रेशमी सोनी, माधवी,शकीला परवीन, शालिनी नंद,अनुराधा दास, सरीफुन निशा सहित अन्य महिलाएं शामिल हुई।

वर्ल्ड चौंपियनशिप स्पीडन में खेलेगी शिवानी

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 13 अगस्त 2023
(घटती घटना)

मिनी गोल्फ बॉल खिलाड़ी शिवानी सोनी वर्ल्ड चौंपियनशिप स्पीडन के लिए 15 अगस्त को अंबिकापुर से रायपुर के लिए रवाना होगी। रायपुर से 17 अगस्त को दिल्ली से स्वीडन के लिए रवाना होगी। शिवानी का 19 से 22 अगस्त तक स्वीडन में इंटरनेशनल कैम्प लगेगा। उसके बाद 23 से 27 अगस्त तक टूर्नामेंट होगा। शिवानी ने बताया की भारत से कोच मैनेजर वह प्लेयर्स मिला कर टोटल 13 लोग हैं। शिवानी सरस्वती महाविद्यालय में पढ़ती है उन्हों बताया कि उनके कॉलेज के अध्यापक भी उनका बहुत सहयोग करते हैं। शिवानी को खेलने में उनकी मां और कोच राजेश प्रताप ड्क्षसह का बहुत ही बड़ा योगदान है।

राष्ट्रपति पद की रेस में तेजी से आगे

बढ़ रहे भारतीय मूल के रामास्वामी

बोले- वोट देने की उम्र हो 25 साल

वॉशिंगटन, 13 अगस्त 2023 । अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में कई भारतीय मूल के नेता भी किस्मत आजमा रहे हैं। इन्हीं में से एक हैं विवेक रामास्वामी। विवेक रामास्वामी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से मजबूत उम्मीदवार के तौर पर उभर रहे हैं। हालांकि अभी वह प्रमुख प्रतिद्वंदी और रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद से सबसे तगड़े उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप से बहुत पीछे हैं लेकिन हाल के समय में उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त उछाल आया है।

वॉक संस्कृति के कट्टर आलोचक

अरबपति बायोटेक उद्यमी विवेक रामास्वामी अपने राष्ट्रपति पद के कैंपेन पर भारी रकम खर्च कर रहे हैं। विवेक रामास्वामी ने अपने कैंपेन की शुरुआत बिना किसी राष्ट्रीय प्रोफाइल के शुरू की थी और धीमी शुरुआत के बाद अब वह रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से तीसरे नंबर के कैंडिडेट बन गए हैं। उनसे आगे डोनाल्ड ट्रंप और फ्लोरिडा के गवर्नर रोन डेसांतिस ही हैं। रामास्वामी अमेरिका में वॉक संस्कृति के कट्टर आलोचक बनकर उभरे हैं। रामास्वामी की लिखी किताब %वॉक इंक%, न्यूयॉर्क टाइम्स की लिस्ट की बेस्ट सेलिंग किताबों में से एक है।

वोट देने की उम्र सीमा बढ़ाने के समर्थक

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में 17 उम्मीदवार मैदान में हैं। इन सब के बीच रामास्वामी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में कामयाब रहे हैं। विवेक रामास्वामी ने कहा है कि वह वोट देने की उम्र बढ़ाकर 25 साल करना चाहते हैं। रामास्वामी ने ये भी कहा है कि वह यूएस सेंट्रल बैंक और न्याय विभाग के 90 प्रतिशत स्टाफ को नौकरी से निकालना चाहते हैं।

जलवायु परिवर्तन पर नहीं विश्वास

विवेक रामास्वामी नहीं मानते कि जलवायु परिवर्तन जैसी कोई चीज हो रही है। यही वजह है कि वह अमेरिका की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए ज्यादा से ज्यादा कोयले के इस्तेमाल की वकालत करते हैं। विवेक रामास्वामी एक हिंदू परिवार से ताल्लुक रखते हैं, जिनके माता-पिता भारत से अमेरिका पहुंचे थे। हावर्ड से पढ़े विवेक रामास्वामी एक बायोटेक कंपनी बनाई और आज उनकी संपत्ति 600 मिलियन डॉलर से भी ज्यादा है। रामास्वामी की तारीफ खुद डोनाल्ड ट्रंप भी कर चुके हैं और जब उनसे विवेक रामास्वामी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि रामास्वामी अच्छा कर रहे हैं।

इंग्लिश चैनल में नाव पलटने से छह लोगों की मौत,फ्रांसीसी नौसेना ने 50 लोगों का किया रेस्क्यू

पेरिस , 13 अगस्त 2023 । इंग्लिश चैनल में एक नाव पलट गई, जिस वजह से छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। अभी दो लोग लापता हैं। हादसे में बचे लोगों के अनुसार, नाव में 65 प्रवासी सवार थे। ब्रिटेन की गृहसचिव ब्रेवरमैन और फ्रांस की प्रधानमंत्री बोर्न ने पीड़ितों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की है।

मेयर ने ट्वीट कर हादसे की दी जानकारी- मेयर फ्रैंक डेरसिन ने एक एक्स पर ट्वीट कर हादसे की जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि कैलाइस/विसेंट तट पर एक और हादसा हो गया। हादसे में कई प्रवासी डूब गए हैं। इंग्लिश चैनल पर आए दिन होते हादसों के कारण मेयर ने ट्वीट में कहा कि हमें एक दिन चैनस और भूमध्य सागर में हो रही मौतों के आकड़ों को रिकॉर्ड करना बंद करना पड़ेगा। मेयर ने साथ में एक फोटो साझा कि, जिसमें रेस्क्यू दल लोगों को बचाते हुए दिख रहा है।

पाकिस्तान में चीनी इंजीनियरों के काफिले पर हमला;

ग्वादर में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकी

इस्लामाबाद, 13 अगस्त 2023 । पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में ग्वादर पुलिस स्टेशन के पास रविवार को चीनी इंजीनियरों के काफिले पर हमला किया गया। काफिले में तीन एसयूवी और एक वैन शामिल थी। सभी बुलेटप्रूफ थीं। इनके जरिए 23 चीनी कर्मियों को ले जाया जा रहा था। जानकारी के मुताबिक, हमले के दौरान एक आईईडी विस्फोट हुआ। इस दौरान वैन पर गोलियां बरसाई गईं। जवाब में सुरक्षा बलों ने भी जवाब दिया और दो आतंकियों को मार गिराया।

ग्वादर बंदरगाह अरबों डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के केंद्र बिंदुओं में से एक है, जिसमें कई चीनी श्रमिक बंदरगाह पर काम कर रहे हैं। चीन सीपीईसी के तहत बलूचिस्तान में भारी निवेश कर रहा है।

फिलहाल चीन की तरफ से अपने नागरिकों को घर में रहने की सलाह दी गई है। पाकिस्तान और चीन एक-दूसरे के संपर्क में हैं और हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के मुताबिक, इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद अभियान शुरू किया गया था। आईएसपीआर ने कहा, सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा पिछले साल नवंबर में सरकार के साथ संघर्ष विराम समाप्त करने के बाद पाकिस्तान में खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में तेजी आई है।पिछले महीने बलूचिस्तान के झोब और सुई इलाकों में अलग-अलग सैन्य अभियानों में पाकिस्तानी सेना के 12 सैनिक मारे गए थे। यह

म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान भीड़ पर अंधाधुंध गोलीबारी,

एक की मौत,कई घायल; हमलावर फरार

वॉशिंगटन, 13 अगस्त 2023 । अमेरिका में फिर गोलीबारी की घटना हुई है। इस बार एक रॉक शो में मौजूद लोगों पर गोलियां चलाई गई, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हुए हैं। पुलिस को शक है कि आरोपी दो लोग हैं। हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस द्वारा आरोपी की तलाश की जा रही है।

क्या है मामला

घटना अमेरिका के मिनेयापोलिस की है। जहां शुक्रवार रात को लोगों की भीड़ एक म्यूजिक शो के लिए इकट्ठा हुए थे। इसी दौरान लोगों की भीड़ पर गोलीबारी की गई। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी दो हैं और वह गोलीबारी के बाद पैदल ही घटनास्थल से फरार हो गए। पुलिस का मानना है कि भीड़ में मौजूद एक व्यक्ति आरोपियों के निशाने पर था। मिनेयापोलिस के पुलिस चीफ ब्रायन ओ हारा ने एक न्यूज कॉन्फ्रेंस के दौरान यह जानकारी दी। हालांकि पुलिस इस बात की पुष्टि नहीं कर रही है कि आरोपी दो ही थे। अभी जांच जारी है।

घटना की सूचना पाकर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां गोली लगने से घायल कई लोग मिले। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं कुछ लोग खुद ही अस्पताल पहुंच गए। घटना में मारे गए व्यक्ति की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। वहीं घायलों में एक की हालत गंभीर है।

कनाडा में फिर हिंदू मंदिर पर हमला,

खालिस्तानी आतंकियों ने की तोड़फोड़,लगाए पोस्टर

सरे, 13 अगस्त 2023 । कनाडा में एक बार फिर हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया है। इसके आरोप भी खालिस्तान समर्थकों पर लग रहे हैं क्योंकि मंदिर के गेट पर बीते दिनों मारे गए खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर के पोस्टर चिपकाए गए हैं। घटना कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत की है।

लक्ष्मी नारायण मंदिर को बनाया निशाना

जिस मंदिर को निशाना बनाया गया है, वह सरे का लक्ष्मी नारायण मंदिर है। यह ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत का सबसे पुराना और सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है। मंदिर के गेट पर खालिस्तान जनमत संग्रह के पोस्टर लगा दिए गए हैं, जिन पर खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की भी तस्वीर लगी है। पोस्टर में लिखा गया कि कनाडा 18 जून की हत्या की घटना में भारत की भूमिका की जांच कर रहा है।

हरदीप सिंह निज्जर की हुई थी हत्या

बता दें कि खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर, सरे के गुरुनानक सिख गुरुद्वारा साहिब का प्रमुख था। 18 जून की शाम गुरुद्वारा परिसर में ही दो अज्ञात बंदूकधारियों ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। हरदीप सिंह निज्जर खालिस्तान टाइगर फोर्स का प्रमुख था।

इस साल हिंदू मंदिर पर हमले की तीसरी घटना

बता दें कि कनाडा में हिंदू मंदिरों पर हमले की कई घटनाएं हो चुकी हैं। इस साल ही यह हिंदू मंदिर पर हमले की तीसरी घटना है। इससे पहले 31 जनवरी को कनाडा के ब्रैम्पटन इलाके में एक मशहूर हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया था और उस पर भारत विरोधी नारे लिख दिए गए थे। इस पर कनाडा में रहने वाले भारतीय समुदाय ने आपत्ति भी जताई थी। ब्रैम्पटन के मेयर पैट्रिक ब्राउन ने भी इस घटना की निंदा की थी। इसके बाद अप्रैल में कनाडा के ओंटारियों में एक हिंदू मंदिर पर हमला किया गया। इनके आरोप भी खालिस्तान समर्थकों पर लगे थे। कनाडा स्थित भारतीय दूतावास ने भी इसे लेकर आपत्ति जताई थी।

'टीवी पर इन हस्तियों को दिखाया तो मिलेगी सख्त सजा',सरकार ने चैनलों को दी चेतावनी

इस्लामाबाद ,13 अगस्त 2023 । पाकिस्तान की मीडिया निगरानी संस्था वॉचडॉग ने सेना और पिछली सरकार की आलोचना करने वाले करीब एक दर्जन लोगों पर कार्रवाई की। उसने चैनलों को आदेश दिए हैं कि वह पत्रकारों सहित 11 लोगों को टीवी डिबेट या किसी कार्यक्रम में जगह न दे। बता दें, जिन लोगों पर सख्ती की गई है, उन पर सेना और शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली पिछली सरकार की आलोचना करने का आरोप है। साथ ही अदालत से अपराधी या भगोड़ा घोषित किए जा चुके हैं।

टीवी पर नहीं दिख सकेंगे लोग

पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेगुलेटरी अथॉरिटी ने सिंध उच्च न्यायालय के एक फैसले का हवाला देते हुए शनिवार को एक निर्देश जारी किया कि ऐसे लोग टेलीविजन पर दिखने जैसे कुछ अधिकारों का लाभ नहीं ले सकेंगे। कहा गया है कि इन अपराधियों को PEMRA अध्यादेश 2002 की धारा 27 के तहत इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के कवरेज पर रोक लगाई जाती है। टीवी चैनल इन व्यक्तियों की किसी भी खबर, रिपोर्ट, बयान या टिकर को प्रसारित करने से परहेज करें। साथ ही निर्देश के उल्लंघन के मामले में समाचार चैनलों को गंभीर दंड की चेतावनी दी है। इसके साथ ही पेमरा ने मामले को शिकायत परिषद के पास भी भेज दिया है।

इन लोगों पर हुई कार्रवाई

साबिर शाकिर
मोइद पीरजादा
वजाहत सईद खान
शाहीन सहबाई
आदिल फारूक राजा
अली नवाज अवान
मुराद सईद
हम्माद अजहर

इमरान खान के माने जाते हैं समर्थक

रिपोर्ट में कहा गया है कि शाकिर, पीरजादा, सईद खान और सेहबाई ऐसे पत्रकार हैं, जिन्हें पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का समर्थक माना जाता है। इनमें से सईद, अवान और अजहर खान इमरान सरकार का भी हिस्सा थे। वहीं, आदिल फारूक राजा एक पूर्व सेना प्रमुख हैं, जो ब्रिटेन में रहते हैं। खान के साथ किए गए व्यवहार के कारण सेना के बेहद आलोचक रहे हैं।

सऊदी अरब का बड़ा फैसला,पहली बार फिलिस्तीन के लिए नियुक्त किया राजदूत

रियाद, 13 अगस्त 2023 । सऊदी अरब ने एक बड़े घटनाक्रम में शनिवार को फिलिस्तीन के लिए पहली बार अनिवासी राजदूत (Non-Resident Ambassador) नियुक्त किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब के नए राजदूत यरूशलम के लिए महावाणिज्य दूत के रूप में भी काम करेंगे।

सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में घोषणा की कि जॉर्डन में वर्तमान राजदूत नायेफ अल-सुदैरी (Nayef Al-Sudairi) को फिलिस्तीन के लिए अनिवासी राजदूत के रूप में नियुक्त किया

गया है। इसके बाद नायेफ अल-सुदैरी ने जॉर्डन की राजधानी अम्मान में फिलिस्तीनी दूतावास में फिलिस्तीनी राष्ट्रपति के राजनयिक मामलों के सलाहकार मजदी अल-खालिदी से मुलाकात की और अपना परिचय पत्र सौंपा।

सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने ट्वीट किया, जॉर्डन में दो पवित्र मस्जिदों के संरक्षक राजदूत नायेफ अल-सुदैरी ने अम्मान में फिलिस्तीनी दूतावास में फिलिस्तीन के असाधारण और अनिवासी राजदूत और यरूशलेम में महावाणिज्य दूत के रूप में अपनी नियुक्ति की एक प्रति डॉ. मजदी अल-खालिदी को सौंपी।

पोलैंड में मिला दूसरे विश्व युद्ध का 250 किलो वजन का बम,हजारों को सुरक्षित जगह भेज किया गया डिफ्यूज

लुबलिन, 13 अगस्त 2023 । पोलैंड के लुबलिन शहर में दूसरे विश्व युद्ध के समय का बम मिला है। इसके बाद शहर में करीब 14 हजार लोगों को अस्थायी रूप से घर छोड़ने का आदेश दिया गया। लोगों को स्कूलों और दूसरी बिल्डिंग में शिफ्ट किया गया। साथ ही उन्हें घरों में बिजली से चलने वाले सभी इक्विपमेंट्स, पानी और गैस को बंद करने के लिए कहा गया।

निर्माण साइट पर मिले इस बम का वजन 250 किलो है। इसके बाद बम निरोधक दस्ते ने बम को हटाकर इसे डिफ्यूज कर दिया। खतरा टलने के बाद लोगों को फिर से घर जाने की इजाजत मिल गई। पोलैंड में इससे पहले भी कई बार दूसरे विश्व युद्ध के

समय के बम मिल चुके हैं। कुछ दिन पहले ही जर्मनी के डसलडॉर्फ शहर में 500 किलोग्राम का बम बरामद हुआ था। बम मिलने के बाद 13 हजार लोगों को अस्थायी रूप से स्कूलों में शिफ्ट किया गया था।

पोलैंड में पहले भी मिल चुके हैं ऐसे बम

इससे पहले पिछले महीने भी एक स्कूल के रेनोवेशन के वक्त तोपखाने के कुछ गोले मिले थे। वहीं पिछले साल पोलैंड की राजधानी वॉरसॉ में 500 किलो का बम मिला था, जिसके बाद 30 हजार लोगों को अस्थायी रूप से घर छोड़ना पड़ा था।

रसूखदार डॉक्टर का रसूख आया काम,दुर्घटना में घायल व्यक्ति जिसकी डॉक्टर के विलंब से आने से हुई थी मौत,उसके परिजनों व अन्य पर दर्ज हुई प्राथमिकी

- सीएमएचओ के प्रभाव में कर्मचारियों ने हड़ताल का दबाव बनाकर प्रशासन को झुका अपराध करवाया दर्ज पर पीड़ित की शिकायत पर आज तक अपराध नहीं हो पाया दर्ज
- क्या पीड़ित को भी करना होगा आंदोलन तब पुलिस करेगी अपराध दर्ज, जिस तरह स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपने सीएमएचओ को बचाने के लिए किया आंदोलन?
- क्या सीएमएचओ को घर में इलाज करने की है अनुमति और अस्पताल में सिर्फ व्यवस्था देखने की उनकी है नियुक्ति?
- सीएमएचओ तिवारी क्यों मांग रहे सुरक्षा पर आम आदमी किससे मांगे सरकारी अस्पताल में जान की सुरक्षा?
- बीजेपी कांग्रेसी मैचों के प्रभाव में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी पीड़ित के लिए करेगी आंदोलन
- क्या एमसीबी जिले के सीएमएचओ है काफी शातिर अपने बचने पूरा पैंतरा आजमाया?

-रवि सिंह-
एमसीबी 13 अगस्त 2023 (घटती-घटना)। एमसीबी जिले के सीएमएचओ व बीएमओ निकले बड़े खिलाड़ी अपने ऊपर लगे आरोपों व दर्ज होने वाले अपराधों से बचने के लिए लिया सत्तापक्ष के नेताओं सहारा साथ ही अपने विभाग के निचले स्तर के कर्मचारियों को आगे करके करवाया आंदोलन और मारपीट करने वाले पर करवा दिया अपराध पंजीबद्ध, सारी चीजें षड्यंत्र के तहत हुई जो किसी से छुपी नहीं है, पर वही जिसके घर का सदस्य वह भी कमाऊ सदस्य अस्पताल की लापरवाही से स्वर्ग सिधार गया जैसा की परिजनों का ही आरोप है की डॉक्टर के एक घंटे विलंब से आने की वजह से घायल मौत की आगोश में समा गया उस परिवार के लिए कोई नहीं आया सामने। भाजपा ने भी पहले दिन आंदोलन किया फिर वह भी ठंडी पड़ गई, मामले को ठंडा करने के लिए भी सीएमएचओ को छुट्टी देकर क्षेत्र से बाहर कर दिया ताकि मामला ठंडा होने तक वह बाहर रहें, सीएमएचओ की लापरवाही से जिस व्यक्ति की जान गई उसमें अलग-अलग तर्क वितर्क चल रहे हैं कोई कहता है कि सीएमएचओ का काम थोड़ी है इलाज करना उसका काम तो है व्यवस्था देखना है तो फिर सवाल यह उठता है कि फिर वह अपने घर में क्यों करते हैं पैसे लेकर इलाज? यह भी तो उनका काम नहीं है, क्या उन्हें सरकार की तरफ से छूट मिली हुई है की घर में अपना क्लीनिक बनाकर वह इलाज करते रहें और वेतन सरकार से भी उन्हे मिलता रहे? यह कहां लिखा है कि सीएमएचओ बनने के बाद आप सरकारी अस्पताल में इलाज नहीं कर सकते? पर यदि आप इलाज नहीं कर सकते तो फिर किसी को आश्वासन क्यों दे रहे थे कि मैं आ रहा हूं जो इस मामले में हुआ और जो घायल होने के बाद मृत व्यक्ति के परिजनों का ही आरोप है? नवीन एमसीबी जिले के मनेंद्रगढ़ मुख्यालय से जुड़ा मामला जिसमें दुर्घटना के बाद अस्पताल ले गए व्यक्ति का डॉक्टर के इंतजार में मौत हो गई मौत होने पर आक्रोशित लोगों ने सीमाओं पर अपना गुस्सा भी उतार और उस समय गुस्सा होना लाजिमी भी था क्योंकि किसी के जान की बात थी, शिकायत मृतक के परिजनों के द्वारा भी किया गया पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई पर वहीं जिस डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगा वह डॉक्टर इतने खिलाड़ी निकले कि अपने विभाग के कर्मचारियों को आगे करके आंदोलन कर प्रशासन पर दबाव बना उल्टा कई लोगों पर अपराध पंजीकृत करा दिया पुलिस भी संवेदनशील मामला बता कर अपराध पंजीकृत करती है कितने लोगों पर हुआ क्यों हुआ यह सब जानकारी पुलिस भी देने से बच रही अब अंदर खाने में क्या चल रहा है यह तो पुलिस जाने पर सीएमएचओ के खास सलाहकार जान भी जान रहें हैं की किन पर अपराध दर्ज हुआ है, फिलहाल इस पूरे मामले में दोनों राजनीतिक पार्टी या भाजपा और कांग्रेस डॉक्टर के साथ खड़ी है क्योंकि सरकार किसी की भी रहे सीएमएचओ दोनों के साथ रहते हैं क्योंकि वह शहर के रसूखदार व्यक्ति हैं,इनका मैनेजमेंट इतना तगड़ा है कि दोनों पार्टियों के नेताओं को अपने पक्ष में कर लेते हैं अब ऐसे में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से पीड़ित ने उम्मीद लगाई है जबकि पीड़ित भाजपा की समर्थक है फिर भी भाजपा उसकी मददगार नहीं बन रही वहीं अब गोंडवाना गणतंत्र पार्टी उनकी मददगार बनेगी।

घटती घटना | एमसीबी-कोरिया-समाचार | अम्बिकापुर, शुक्रवार 11 अगस्त 2023 | 5

डॉक्टर तिवारी को बचाने के लिए पूरा विभाग लगा पर डॉक्टर तिवारी की वजह से जिस व्यक्ति की जान गई उसके लिए कोई क्यों नहीं आ रहा सामने?

विधायक से लेकर मंत्रियों तक सीएमएचओ ने की मुलाकात

सूत्रों व जन चर्चाओं की माने तो सीएमएचओ मनेंद्रगढ़ साहब पूरी छुट्टी भर नेताओं और मंत्रियों से मुलाकात कर अपने बचाव का रास्ता तलाशते रहे जहां पर माहौल बिगड़ने पर सिर्फ एक अफवाह फैला दी गई थी क्यों नहीं निलंबित किया जा रहा है पर आज तक उनके निलंबन का आदेश नहीं आया वह सिर्फ बातों में ही अटक गया, डॉक्टर साहब बचाव के रास्ते में उन्होंने जो जो हथकंडे अपनाए उसमें वह अभी तक सफल है। वह सही तरीके से अभी तक चल रहा है अभी तक की स्थिति में डॉक्टर पर ना तो अपराध पंजीबद्ध हुआ ना ही कोई विभागीय कार्यवाही हुई, वहीं लापरवाही के इनाम पर उन्हें फिर से इस पद पर आसीन कर दिया जाएगा ऐसा माना जा रहा है। डॉक्टर ने लापरवाही की है यह सबको पता है फिर भी कार्यवाही करने की हिम्मत किसी के पास है नहीं क्योंकि डॉक्टर बहुत वह पकड़ वाले माने जाते हैं पैसे की भी इनके पास कोई कमी नहीं है और यह पैसा कैसे अर्जित किया यह भी किसी से छुपा नहीं है।

सीएमएचओ साहब की अनियमितताओं की जांच हो जाए तो खुल सकते हैं कई राज

सीएमएचओ साथ ही बीएमओ डॉक्टर तिवारी को लेकर यदि जांच की जाए तो कई राज खुल सकते हैं।।यह शहर के ऐसे डॉक्टर हैं जो शासकीय सेवा में होने का पूरा फायदा अपने निजी क्लीनिक सह अस्पताल में लेते हैं,शासकीय अस्पताल में आने वाले मरीज जिन्हे शल्य चिकित्सा की जरूरत होती है उन्हे यह सर्जन होने के नाते निजी क्लीनिक आने को कहते हैं और फिर वहीं उसका इलाज करते हैं,इलाज यदि यह शासकीय चिकित्सालय में भी करते हैं तो शुल्क अपना यह लेते ही हैं,कुल मिलाकर यह डॉक्टर होने का पूरा फर्ज निभाते जरूर हैं लेकिन शुल्क लेकर ही यह इलाज करते हैं जो जन चर्चा का भी विषय है और जो लोग पैसा देकर इलाज शासकीय अस्पताल में करा चुके हैं उनका भी कहना है। डॉक्टर तिवारी केवल शासकीय अस्पताल या अपने निजी अस्पताल में ही इलाज नहीं करते वह शहर के किसी भी निजी अस्पताल में जाकर सेवा प्रदान करते हैं सर्जन होने का शुल्क लेते हैं और यह सब कुछ वह अपने सी एम एच ओ एवम बी एम ओ होने के प्रभाव के कारण कर पाते हैं जिसकी वजह यह है की निजी अस्पताल भी इनसे इनके पद से भय खाते हैं।

शहर में कोई अच्छा सर्जन न होने की वजह से सीएमएचओ पर ही लोगों का भरोसा है इसीलिए उसका उठाते हैं गलत फायदा

डॉक्टर तिवारी सर्जन हैं और शहर में अच्छे सर्जन का अभाव है ऐसे में डॉक्टर तिवारी इसका पूरा फायदा उठाते हैं,मरीज उनके पास शासकीय अस्पताल में कम निजी क्लीनिक में ज्यादा मिलने संपर्क कर इलाज कराने जाता है क्योंकि वह जानता है की डॉक्टर साहब बिना शुल्क इलाज करेंगे नहीं इसलिए वह पहले उनसे उनके निजी क्लीनिक में मिल लेता है और फिर वह जैसा चाहते हैं वैसा उसका इलाज होता है,जरूरत पड़ने पर मरीज को शासकीय अस्पताल में इलाज की सुविधा दी जाती है और शुल्क निजी लिया जाता है।

भाजपा व कांग्रेस दोनों की सरकार में इनकी बोलती है तूती

रसूखदार होने के नाते डॉक्टर तिवारी की दोनो प्रमुख दलों की सरकार में तूती बोलती है,कांग्रेस की वर्तमान सरकार हो या भाजपा की पुरानी सरकार डॉक्टर तिवारी का कद बराबर दोनो दलों के नेताओं के बीच समान ही बना रहा है। कुल मिलाकर डॉक्टर तिवारी सभी के साथ सामंजस्य बनाकर अपना निजी क्लीनिक भी चलाते हैं और वह शासन से पैसा लेकर शासकीय डॉक्टर भी बने हुए हैं वहीं वह जिला स्वास्थ्य अधिकारी खंड चिकित्सा अधिकारी दो प्रमुख पदों पर भी एक साथ काम कर रहें हैं जिसका कोई विरोध करने वाला नहीं है।

शासकीय सर्जन ही चलाएंगे ऑपरेशन की अपनी निजी दुकान तो कैसे गरीब को मिलेगा मुफ्त किसी ऑपरेशन का लाभ

शासकीय अस्पतालों में पदस्थ सर्जन ही यदि अपनी निजी दुकान चलाएंगे तो ऐसे में गरीब को कैसे निशुल्क सर्जरी की सुविधा मिल सकेगी यह भी बड़ा सवाल है,सरकार कहने को तो सभी तरह के विशेषज्ञ डॉक्टर शासकीय अस्पतालों में पदस्थ करती है लेकिन वही निजी स्वार्थ पूरा करने निजी क्लीनिक खोलकर बैठ जाते हैं और फिर वहीं से वह इलाज करते हैं,शासकीय अस्पताल का उपयोग वह मरीज ढूंढने में करते हैं और वहां आने वाले मरीज को शासकीय अस्पताल की बुराई बताकर निजी क्लीनिक ले जाकर उसका इलाज करते हैं शुल्क लेते हैं,अब ऐसे में शासकीय अस्पताल कैसी सेवाएं दे रहा है यह समझा जा सकता है।

जब सीएमएचओ एवम बीएमओ को नहीं करना है चिकित्सक का काम,नहीं करना है जब उनको इलाज तो क्यों विशेषज्ञ चिकित्सक को दी जा रही ऐसी जिम्मेदारी

जैसा की सुनने में आ रहा है की मनेंद्रगढ़ मामले में सीएमएचओ साथ ही बीएमओ का प्रभार एक साथ सम्हालने वाले डॉक्टर का कहना है की उनका काम इलाज करना नहीं स्वास्थ्य व्यवस्था की जिम्मेदारी सम्हालना है प्रशासनिक कार्य करना है तो ऐसे में सवाल उठता है की फिर क्यों विशेषज्ञ डॉक्टरों को इन पदों की जिम्मेदारी दी जा रही है। एक तरफ सरकार विशेषज्ञ डॉक्टर हर शासकीय जिला एवम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ कर आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने की बात करती है वहीं उन्ही विशेषज्ञ डॉक्टरों को वह प्रशासनिक जिम्मेदारी देकर उन्हें उनके मुख्य कार्य से अलग कर दिया जा रहा है। कुल मिलाकर आम जनता व्यवस्था के इन्ही चकरियो के बीच फंसा हुआ है और जब उसे अच्छी स्वास्थ्य सुविधा की जरूरत आन पड़ी तब उसे यह सोचना पड़ रहा है की कौन उसका इलाज करेगा जबकि जिनकी जिम्मेदारी है वह तो प्रशासनिक काम देख रहे हैं।

आईजी सरगुजा रेंज अंकित गर्ग पहुंचे जिला बैकुंठपुर कोरिया,नशे के विरूद्ध जीरो टॉरलेस की सख्त निर्देश

- आगामी विधानसभा चुनाव शांतीपूर्ण व निष्पक्ष सम्पन्न कराने हेतु रणनीति बनाई
- विजिबल पुलिसिंग पर विशेष फोकस, कानून व्यवस्था और अपराध पर नियंत्रण बनाए

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर, 13 अगस्त 2023 (घटती-घटना)। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज अंकित गर्ग (भा.पु.से.) जिला कोरिया के दौरे पर रहे, जिले के राजपत्रित अधिकारी व सभी थाना-चौकी प्रभारियों की बैठक भी लिए।बैठक में पुलिस अधीक्षक कोरिया त्रिलोक बंसल द्वारा जिले की सामान्य जानकारी से अवगत कराया। इस दौरान आईजी सरगुजा श्री गर्ग ने सभी थाना-चौकी प्रभारियों से परिचय प्राप्त कर उनके प्राथमिकताओं के बारे में अवगत कराया और सभी प्रभारियों से उनके थानों में लंबित अपराधों के बारे में जानकारी ली और विवेचना से जुड़े बारीकियों से अवगत होते हुए निराकरण के निर्देश दिए साथ ही उनके क्षेत्र की गतिविधियों को जाना।

लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण के निर्देश- आईजी श्री गर्ग द्वारा जिले के लंबित प्रकरणों की अनुभागवार, थानावार विस्तृत समीक्षा करते हुए लंबित चिटफण्ड के मामलों का बारीकी से अवलोकन करते हुए निर्देशित किया कि पेंडिंग मामलों का यथाशीघ्र निकाल करने हेतु निर्देश दिए।

आगामी विधान सभा चुनाव हेतु प्रभावी नियंत्रण

आगामी विधानसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए जिलों में व्हीआईपी और व्हीव्हीआईपी के आगमन को लेकर उनकी सुरक्षा में किसी प्रकार की चूक ना हो, इस संबंध में महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिये, साथ ही निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक चुनाव कराने हेतु मतदान केंद्रों में सुरक्षा व्यवस्था की प्लानिंग करने और क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने हेतु निर्देश दिए।

आईजी के सख्त निर्देश अपराधियों की खैर नहीं

आईजी श्री गर्ग ने मीटिंग के दौरान कड़े रुख अपनाते हुए कहा कि जिले में आपराधिक प्रवत्ति के लोगों पर नजर बनाए रखने तथा उनके विरूद्ध निगरानी हिस्ट्रीशीट खोली जाए तथा जिला बदर की कार्यवाही करने हेतु सख्त निर्देश दिए।

बाउंड ओवर की कार्यवाही करने के निर्देश

जमीन संबंधी विवाद के मामले में प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करते हुए अनिवार्य रूप से बाउन्ड ओव्हर की कार्यवाही करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि नशे के विरूद्ध जीरो टारलेस की रणनीति अपनाते हुए नशे के कारोबार के खिलाफ सख्ती से कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

साईबर फॉड के मामलो में तत्काल अपराध पंजीबद्ध करने का निर्देश

साइबर फ्रॉड एवं नकबजनी के मामलों में श्री गर्ग द्वारा कहा गया कि ऐसे मामलों में तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल में अनिवार्य रूप से अपलोड करने के साथ पीड़ित के रुपए वापस दिलाए जाने की हर संभव प्रयास कर सभी प्रकिया का पालन करने कहा गया । इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका ठाकुर, एसडीओपी कविता ठाकुर, एसडीओपी सोहनत राजेश कुमार साहू, सहित जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

एमसीबी और कोरिया जिले पहुंचे नव पदस्थ सरगुजा आईजी अंकित गर्ग,लेकिन पत्रकारों से नहीं हो पाई चर्चा...आखिर क्यों?

- पत्रकारों को पुलिस ने ही आईजी से मिलने से रोका,पत्रकारों को गुमराह कर मिलने का समय बताया गलतःसूत्र
- कोरिया व एमसीबी जिले के पुलिसकर्मियों ने पत्रकारों को वह समय बताया जिस समय पर आईजी ले रहे थे बैठक, इंतजार कर पत्रकार लौटे वापस
- क्या कोरिया व एमसीबी की पुलिस नहीं चाहती थी कि पत्रकार आईजी से करें मुलाकात क्योंकि खुल जाएगी उनकी पोल?
- आईजी के व्यवस्था के लिए लगे रहे दो चर्चित प्रधान आरक्षक
- पत्रकारों से बिना मिले आईजी आ गए अंबिकापुर पर उनके मन में भी था यह सवाल कि आखिर पत्रकारों के साथ क्यों नहीं हो पाई प्रेस वार्ता

- रवि सिंह -
एमसीबी/कोरिया, 13 अगस्त 2023 (घटती-घटना)। कोरिया व एमसीबी पुलिसिंग की जितनी भी तारीफ की जाए वह कम है, विवादों से यहां के पुलिस वालों का नाता रहा है खराब पुलिसिंग इनकी पहचान रही है, खबर कितना भी छपे, लोग शिकायत कितना भी कर लें इन दोनों जिले के पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली में सुधार नहीं आना है चाहे अच्छे अधिकारी डांट फटकार ही क्यों ना कर ले पर सुधार की उम्मीद तो नहीं है। इसी कड़ी में यदि बात की जाए तो सरगुजा के नव पदस्थ आईजी अंकित गर्ग पदभार ग्रहण करने के बाद अपने संभाग के जिलों का दौरा कर रहे हैं और वहां की पुलिसिंग को समझने का प्रयास कर रहे हैं और अपने अनुसार लोगों के लिए अच्छी पुलिसिंग हो इसका वह प्रयास करेंगे, पर जहां उन्होंने पहला दौरा सूरजपुर जिले का किया था वहां पर उन्होंने पत्रकारों से अच्छी चर्चाएं की पर वहीं जब उनका दौरा कोरिया व एमसीबी जिले में हुआ वहां पर प्रेसवार्ता आयोजित तो की गई पर पत्रकार नहीं पहुंच पाए या यह कहा जाए की इन दोनों जिले की पुलिस ही नहीं चाहती थी की प्रेसवार्ता हो इस वजह से उन्हें वह समय दिया गया जिस समय पर आईजी साहब अपने अधिकारियों व कर्मचारियों की बैठक ले रहे थे, पत्रकार इंतजार करते-करते चल पड़े, पत्रकार आईजी साहब की प्रेसवार्ता में जाने के लिए काफी इच्छुक थे और वह चाहते थे कि अपने जिले की पुलिसिंग को बेहतर करने के लिए उनके पास अपनी बातें रखें पर वह अपनी बात नहीं रख पाए और इसकी वजह सिर्फ पुलिस कर्मियों की पत्रकारों को गुमराह करना बताया जा रहा है।

सूत्रों का यह भी कहना है कि उच्च अधिकारी भी नहीं चाहते थे कि पत्रकार आईजी सरगुजा से मिले ताकि जिले की पुलिस की कमियां आईजी साहब के कानों तक ना पहुंच सके जिसके लिए प्रधान आरक्षक भी पत्रकारों के संपर्क में थे और मुलाकात पत्रकारों से ना हो प्रेसवार्ता ना हो ऐसा वह चाह भी रहे थे। वही आईजी साहब भी इस दुविधा में देखे गए की आखिर इन दो जिले के पत्रकार क्यों प्रेसवार्ता में नहीं पहुंचे आखिर इसकी वजह क्या है? शायद आईजी साहब भी इस वजह से अनभिज्ञ हों पर वजह तो उन्हें भी पता करनी होगी और वह भी अपने तरीके से गोपनीय तरीके से ताकि उन लोगों को ना पता चल सके जो आईजी साहब तक पत्रकारों को नहीं पहुंचने देने में लगे हुए थे।

कहीं एमसीबी व कोरिया के पत्रकारों का प्रेस वार्ता में न पहुंचना पुलिस का षड्यंत्र तो नही?

एमसीबी जिला और कोरिया जिला पहुंचे नए आईजी पुलिस से पत्रकार नहीं मिल सके,जबकि ऐसी प्रथा रही है की नया अधिकारी अपने पहले दौर पर पत्रकार वार्ता जरूर करता है,अब इन दो जिलों में ऐसा क्यों नहीं हुआ क्यों आईजी बिना पत्रकारों से मिले ही लौट गए यह बड़ा प्रश्न है।नए अधिकारी किन विषयों पर अपनी कार्यप्रणाली विभाग की सुधारेंगे वह किन उद्देश्यों के साथ काम करेंगे यह प्रेस वार्ता का महत्व होता है लेकिन दोनो जिलों में जो नहीं हुआ, अब इसके पीछे पुलिस का ही षड्यंत्र है यह जांच का विषय है। वैसे जांच कौन करेगा और क्यों करेगा यह भी सवाल ही है क्योंकि जिनके जिम्मे जांच है वही तो पूरी अव्यवस्था का कारण बने जैसा पत्रकारों के बीच ही चर्चा है की यह षड्यंत्र ही था जो उन्हे मिलने नहीं दिया गया आईजी से।

नव पदस्थ आईजीबी बेहतर पुलिसिंग लिए हैं प्रतिबद्ध पर क्या सुधार पाएंगे बिगड़ी पुलिसिंग?

नए आईजी बेहतर पुलिसिंग के लिए प्रतिबद्ध हैं जैसा बताया जा रहा है लेकिन क्या वह पहले से बिगड़ी व्यवस्था सुधार पाएंगे,क्या वह उन पुलिसकर्मियों पर नकेल लगा पाएंगे जो अपनी मनमानी और अपनी दोषपूर्ण कार्यप्रणाली के लिए मशहूर हैं यह देखने वाली बात होगी,क्या नए आईजी वर्षों से स्पेशल बनकर विभाग में मलाई काट रहे पुलिसकर्मियों पर भी नकेल लगा पाएंगे उन्हे वह आम पुलिसकर्मी की तरह काम करने निर्देशित कर पाएंगे यह भी देखने वाली बात होगी।

दो प्रधान आरक्षक लगे रहे आईजी की खातिरदारी में भोजन व्यवस्था भी थी उन्ही की जिम्मेदारी,आईजी ने सोनहत थाने के निरीक्षण के दौरान किया भोजन

आईजी सरगुजा के कोरिया जिला प्रवास के दौरान जहां जिले के पत्रकारों को आईजी सरगुजा के प्रथम आगमन पर उसने मिलने नहीं दिया गया वहीं उनके भोजन सहित सभी तरह की खातिरदारी के लिए नियुक्त किए गए जिले के एक नाम वाले दो प्रधान आरक्षकों की तैयारी तब धरी की धरी रह गई जब उन्हे यह पता चला की आईजी सरगुजा ने सोनहत पुलिस थाने के निरीक्षण के दौरान ही भोजन कर लिया।

शिक्षा विभाग के अफसर शासन के आदेशों और नियमों को दरकिनार कर चला रहे अपनी मनमानी

शिक्षा विभाग में ही हावी भ्रष्टाचार तो,शिक्षा के मंदिरों का उद्धार कैसे हो पाएगा

-ओंकार पांडेय-
सूरजपुर,13 अगस्त 2023
(घटती घटना)

एक तरफ प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का कहना है कि भ्रष्टाचार में लिप्त कोई भी हो कितना भी प्रभावशाली क्यों ना हो उसे बख्शा नहीं जाएगा,लेकिन दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ का शिक्षा विभाग पूरे प्रदेश में घोटालों के लिए चर्चित है। शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार किस हद तक फैला हुआ है,इसका अंदाजा हाल ही में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश स्तर पर पदोन्नति संशोधन मामलों में की गई कार्यवाही से लगाया जा सकता है। भ्रष्टाचार के मामलों में सूरजपुर

जिले का शिक्षा विभाग भी अछूता नहीं है, यहाँ तो शिक्षकों के हर कार्य के लिए जमकर वसूली किये जाने की खबर आये दिन आते रहती है। सूरजपुर शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार की जड़ें काफी गहरी हैं। यहां शिक्षकों से अवकाश स्वीकृति करने से लेकर अन्य सभी छोटे - बड़े कामों को बिना चढ़ावा के कराना संभव नहीं है । इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि पूर्व में सूरजपुर जिले के शिक्षा विभाग के कई भ्रष्ट अधिकारी और कर्मचारी भ्रष्टाचार की शिकायत के बाद एनटी करप्शन की पकड़ में आकर जेल की हवा तक खा चुके हैं, इसके बावजूद भी यहां के अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली में थोड़ा भी सुधार नहीं आ रहा है । आलम यह है कि सूरजपुर शिक्षा विभाग के अफसर छत्तीसगढ़ शासन के आदेशों और नियमों तक को दरकिनार कर अपनी मनमानी चला रहे हैं। प्राप्त जानकारी अनुसार जिले के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में हाल ही में शिक्षकों की पदोन्नति पश्चात् एकल शिक्षकीय और शिक्षक विहीन माध्यमिक शालाओं में कई वर्षों के बाद शिक्षकों की पदस्थापना हुई थी, लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी और विकासखंड शिक्षा अधिकारियों ने उन्हें फिर से शहर के नजदीक और उनकी मनचाही जगहों में संलग्न कर दिया है,जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षकों की कमी ज्यों की त्यों बनी हुई है ।

शिक्षा अधिकारी का कारनामा चर्चा में

इस कार्य में रामानुजनगर विकासखंड के शिक्षा अधिकारी का कारनामा चर्चा में हैं, इन्होंने विकासखंड स्तरीय समिति से परीक्षण उपरांत स्थायी शिक्षा समिति और जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर को अंधेरे में रखकर उनसे अनुमोदन लेकर कई ऐसे स्कूलों को एकल शिक्षकीय और शिक्षक विहीन विद्यालय बताकर जिनमें पर्याप्त संख्या में शिक्षक कार्यरत हैं, वहां पदस्थ शिक्षकों को लाभ पहुंचाने के लिए उन्हें उनके मनचाहे स्थान पर संलग्न कर,यहां अन्यत्र विद्यालय के शिक्षकों को संलग्न कर दिया है। यही स्थिति सभी विकासखंडों में हैं। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा बहुतायत संख्या में शिक्षकों को उच्च परीक्षा उत्तीर्ण करने पश्चात् कार्योत्तर अनुमति आदेश जारी किये गये हैं,जबकि शासन के नियमानुसार किसी भी शासकीय सेवकों को अपनी शैक्षणिक योग्यता बढ़ाने के लिए और उच्च परीक्षाओं में सम्मिलित होने के लिए विभाग से पूर्व अनुमति लेना आवश्यक है, इसके बावजूद भी जिले के बहुत सारे शिक्षकों ने बिना विभाग की पूर्व अनुमति के शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश लेकर उच्च उपाधि प्राप्त कर कार्योत्तर अनुमति हेतु आवेदन प्रस्तुत कर शिक्षा विभाग के सक्षम अधिकारियों से अनुमति प्राप्त कर लिया है, जबकि ऐसा करने पर कड़ी कार्यवाही का स्पष्ट प्रावधान है। कार्योत्तर अनुमति सिर्फ ऐसे शासकीय सेवकों को ही दिया जा सकता है, जिन्होंने समय - सीमा में उच्च परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु कार्यालय में अनुमति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया हैं, और किसी कारणवश अनुमति आदेश जारी नहीं किया गया हो, तो उन आवेदनों पर पावती के आधार पर विचारोंपरांत कार्योत्तर आदेश जारी किया जा सकता है। लेकिन सूरजपुर जिले के शिक्षा विभाग द्वारा बहुतायत संख्या में अनुमति हेतु पूर्व में आवेदन प्रस्तुत किये बिना ही नियमविरूद्ध तरीके से कार्योत्तर अनुमति प्रदान किया गया है। इससे किसी शासकीय सेवक ने फर्जी अंकसूची लाकर भी कार्योत्तर अनुमति लेकर बड़ी आसानी से उस डिग्री का लाभ पदोन्नति हेतु ले लिया होगा,इसमें भी कोई संशय नहीं होगा ।

मान्यता हेतु सभी मापंदड आवश्यक

इसके अलावा निजी विद्यालयों को मान्यता हेतु निर्धारित प्रपत्र में पेयजल की व्यवस्था, कक्ष और शिक्षकों की बुनियादी सुविधाओं के साथ विषयवार अध्ययन के लिए प्रशिक्षित शिक्षक, प्रयोगशाला, बच्चों के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, शौचालय, खेल मैदान, खुद का भवन आदि मापदंडों को पूर्ण करना आवश्यक होता है । इन बिन्दुओं को पूरा किये बिना मान्यता नहीं देने का प्रावधान हैं,लेकिन पता चला हैं कि जिले के अधिकांश निजी विद्यालयों में न तो खेल मैदान की सुविधा है और न ही प्रशिक्षित शिक्षकों की और न ही सुरक्षा व्यवस्था ही है, इसके बाद भी इन स्कूलों को मान्यता दे दी गई हैं और प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष इन सुविधाहीन विद्यालयों की मान्यता का नवीनीकरण भी कर दिया जाता है । यह एक गंभीर जांच का विषय हैं। कुछ महीने पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सूरजपुर के एक बाबू निजी विद्यालय को मान्यता देने के लिए लेनदेन करते हुए रंगे हाथ एनटी करप्शन की पकड़ में आकर जेल जा चुके हैं। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत निजी विद्यालयों में गरीब बच्चों को पढ़ाने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार के द्वारा निजी विद्यालयों को शिक्षण शुल्क दिया जाता है, जिसे प्रतिपूर्ति राशि भी कहा जाता है। इसमें भी व्यापक स्तर पर गड़बड़ियों की शिकायतें मिलती रहती है। यदि जिले के शिक्षा विभाग के शिक्षकों का संलग्नीकरण,एरियर्स राशि भुगतान,कार्योत्तर अनुमति, संतान पालन अवकाश, चिकित्सा अवकाश, नियम विरूद्ध स्थानांतरण और निजी स्कूलों को बिना मापदंड पूरा किये दी गई मान्यताओं की गंभीरता से जांच हो जाये तो इस बात का पता चल जाएगा कि सूरजपुर शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं। भ्रष्टाचार की बीमारी इतनी पुरानी है कि इसे जड़ से उखाड़ना तो संभव नहीं है, लेकिन ऐसे भ्रष्ट अधिकारी और कर्मचारियों को दोषी पाये जाने पर कड़ी कार्यवाही हो जाये तो,इस पर थोड़ा अंकुश जरूर लगाया जा सकता है।

सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत स्वतंत्रता दिवस पर सीएसईबी ग्राउंड पर करेंगी ध्वजारोहण,लेंगी सलामी

-संवाददाता-
कोरबा,13 अगस्त 2023
(घटती घटना)

लोकसभा सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कोरबा जिले में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहेंगी। श्रीमती महंत सीएसईबी फुटबॉल ग्राउंड पर आयोजित कार्यक्रम में सुबह 09 बजे ध्वजारोहण करेंगी और सलामी

लेंगी। मुख्य अतिथि श्रीमती महंत द्वारा जिलेवासियों के लिए प्रेषित मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया जाएगा। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा।

जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में ध्वजारोहण प्रातः 8 बजे के पूर्व सम्पन्न कर लिए जाएंगे ताकि उन कार्यालयों के अधिकारी और कर्मचारी जिले के मुख्य समारोह में शामिल हो सके। स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में मार्च-पास्ट एवं परेड का निरीक्षण किया जाएगा। इसके साथ ही गरिमामय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस पर सभी शासकीय एवं सार्वजनिक भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को रात्रि में जिले के सभी शासकीय एवं सार्वजनिक भवनों तथा राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों पर रोशनी की जाएगी। पंचायत मुख्यालयों में सरपंच द्वारा एवं बड़े गांवों में गांव के मुखिया द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा और सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गान गाया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शैक्षणिक संस्थानों में ध्वजारोहण किया जाएगा तथा स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम करेंगे ध्वजारोहण

-संवाददाता-
सूरजपुर,13 अगस्त 2023
(घटती घटना)

राज्य योजना आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय में आयोजित मुख्य समारोह में ध्वजारोहण करेंगे। डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम परेड की सलामी लेंगे और जनता के नाम मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे । जिला प्रशासन द्वारा आयोजित गरिमामय स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा सुबह 9 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके बाद परेड का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन होगा। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने राष्ट्रीय पर्व के आयोजन की तैयारियों के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए अलग-अलग दायित्व सौंपा है।

पदोन्नत शिक्षकों ने संशोधन निरस्त न करने के लिए संसदीय सचिव को दिया ज्ञापन

-संवाददाता-
सूरजपुर,13 अगस्त 2023
(घटती घटना)

पदोन्नत शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल संसदीय सचिव श्री पारसनाथ राजवाड़े जी के निज निवास पर भेंट करने पहुंची जहां शिक्षकों को उनके द्वारा सकारात्मक जवाब मिला, संसदीय सचिव श्री पारसनाथ राजवाड़े जी ने शिक्षकों के पीड़ा और समस्याओं को समझा और संशोधन को यथावत रखने के लिए शिक्षक साथियों को आश्वासन दिया ।

वर्तमान में शिक्षकों के संशोधन निरस्तीकरण की बात की जा रही है जिसके लिए शिक्षा मंत्री को भ्रामक जानकारी दी गई है, जिसमें संशोधन को तबादला का नाम देकर आदेश को निरस्त करने की बात कही जा रही है, जबकि संशोधन नियम के अनुसार किया गया है, संशोधित शिक्षकों को मुख्यमंत्री पर पूर्ण विश्वास है कि वे संशोधित शिक्षकों के हित में विचार करते हुए संशोधन आदेश यथावत रखेंगे। ज्ञापन देने वाली शिक्षकों में बृजेश कुमार भानी, अतुल कुमार इक्का, बोधन रजवाड़े,अजय कुमार रजवाड़े,लक्ष्मी भगत, आजाद ,राजेश जायसवाल, दिनेश रजवाड़े,आरती मिश्रा,प्रभा गुप्ता एवं अन्य शिक्षक साथी शामिल रहे।

जिले में आज स्वतंत्रता सह सद्भावना दौड़ का होगा आयोजन

-संवाददाता-
कोरबा,13 अगस्त 2023
(घटती घटना)

कलेक्टर सौरभ के निर्देशानुसार आजादी के 76वीं वर्षगाठ के अवसर पर प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी कोरबा जिले में स्वतंत्रता सह सद्भावना दौड़ दिवस के पूर्व 14 अगस्त को स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन किया जाएगा। स्वतंत्रता दौड़ सुबह 08 बजे कोरबा शहर के

घंटाघर चौक से प्रारंभ होगी और मिनीमाता महाविद्यालय से महाराणा प्रताप बुधवारी बाजार चौक से होते हुए वापस घंटाघर में समाप्त होगी। इस दौड़ में जिले के स्कूल कॉलेज के छात्र-छात्राएं, खेल संघों के खिलाड़ी, गणमान्य नागरिक तथा आमजन शामिल होंगे। खेल अधिकारी जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने सभी प्रबुद्धजनों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, खेल संघों के पदाधिकारी, खिलाड़ियों, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस के छात्र छात्राओं, स्काउट गाइड, नेहरू युवा केंद्र के सदस्यों को इस आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने एवं सहिष्णुता व देशभक्ति का परिचय देते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

जिला पंचायत सीईओ एवं पुलिस अधीक्षक ने स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों का लिया जायजा

-संवाददाता-
कोरबा, 13 अगस्त 2023
(घटती घटना)

कलेक्टर सौरभ कुमार के निर्देशन में जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप एवं पुलिस अधीक्षक श्री उदय किरण ने आज सीएसईबी फुटबॉल ग्राउण्ड में स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित होने वाले परेड, पीटी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतिम रिहर्सल व तैयारियों का जायजा लिया। स्वतंत्रता दिवस समारोह का अंतिम रिहर्सल डिप्टी कलेक्टर श्री

सरोज महिलांगे मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। उन्होंने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली और परेड कमांडरों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री प्रदीप साहू उपस्थित थे ढ्ढ सीएसईबी फुटबॉल ग्राउण्ड में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह का आयोजन कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा। सीईओ श्री विश्वदीप ने सीएसईबी ग्राउण्ड पहुंच कर मुख्य समारोह हेतु बैठक व्यवस्था, मंच निर्माण, बेरीकेट्स तथा सुरक्षा आदि की व्यवस्था का जायजा लिया और अंतिम रिहर्सल का निरीक्षण किया। स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन को लेकर उपस्थित सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बारिश को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम, पी.टी.प्रदर्शन एवं अन्य तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में स्वतंत्रता दिवस समारोह की गरिमा का ध्यान रखने के निर्देश सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी को दिए।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में सैकड़ों युवाओं ने लिए भाजपा की सदस्यता

-संवाददाता-
सूरजपुर,13 अगस्त 2023
(घटती घटना)

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने 75 मोटरसाइकिल के साथ निकला तिरंगा यात्रा भाजयुमो जिला अध्यक्ष रविंद्र भारती के नेतृत्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला संगठन द्वारा चलाए जा रहे नव मतदाता संपर्क अभियान के तहत सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा में खोपा बतरा में क्षेत्र के लगभग 128 युवाओं ने नवमतदाता संपर्क अभियान कार्यक्रम में भाग लिया।। कार्यक्रम को संबोधित करने को आए मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश से पूर्व प्रदेश गृह मंत्री रामसेवक पैकरा ने जिला अध्यक्ष रविंद्र भारती की प्रशंसा करते हुए कहा की युवा मोर्चा में सैकड़ो युवा भाग ले रहे हैं जो भाजपा के अच्छे और सुदृढ़ कार्य को दर्शाता है मोदी जी के कई योजना से प्रभावित होकर युवा ने भारत को विश्व गुरु बनाने में अपनी आम भूमिका निभाने का संकल्प लिया है और प्रदेश सरकार को 2023 के चुनाव में हटाने का निश्चय किया है। भाजपा जिला अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने कहा भाजपा युवाओं की पार्टी है और भाजपा को आगे बढ़ाने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होती है इसी दृष्टिकोण से आप सभी ने भाजपा को आगे ले जाने का सोचा है पार्टी आगे बढ़ेगी तो देश और क्षेत्र आगे बढ़ेगा । क्षेत्रीय पूर्व विधायिका रजनी रविशंकर त्रिपाठी ने जिलाध्यक्ष रविन्द्र भारती की प्रशंसा करते हुए उन्होंने 2023 में होने वाले चुनाव में कांग्रेस सरकार को हटाने में युवाओं की भूमिका होगी ऐसा माना है। भाजपा प्रदेश मंत्री परमेश्वरी राजवाड़े ने युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि युवा मोर्चा के अगुवाई में आप सभी काम करेंगे और भाजपा के साथ जुड़ कर देश को और क्षेत्र को आगे बढ़ाएंगे। पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष गिरीश गुप्ता ने युवाओं को संबोधित करते हुए उन्हें क्रांति का रूप दिया है और कहा है कि युवा क्रांति जिस दिन चाहेगा किसी भी सरकार को बदलने के लिए शिक्षा में आने वाले चुनाव में हम भाजपा की सरकार बनाएंगे और कमल खिलाएंगे भाजपा प्रदेश पदाधिकारी अभिषेक प्रताप सिंह देव ने युवा मोर्चा सूरजपुर जिले की तारीफ करते हुए भाजपा में शामिल होने वाले युवाओं को भेज रहा है और मोदी जी से कंधा मिलाकर देश को आगे बढ़ाने की भूमिका में उनकी प्रशंसा की है विधानसभा से प्रभारी आजूमल गर्ग ने युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को भाजपा की रीड की हड्डी कहते हुए चुनावी वर्ष में क्रांति लाने को कहा है युवा मोर्चा के माध्यम से ही भाजपा चुनावी बिल्कुल ठोकने में सक्षम है और सरकार बदलने में युवाओं की आम भूमिका रहने वाली है संबोधन पश्चात 128 युवाओं ने भाजपा का हाथ थमते हुए कांग्रेस को उखाड़ने का संकल्प लिया है तत्पश्चात युवाओं ने देश स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा ने 75 मोटरसाइकिल के साथ तिरंगा यात्रा भी निकला तिरंगा यात्रा नमक और कोली गांव से खोपा धाम तक निकल गया साथी सभी भाजपा युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने खोपा धाम में दर्शन करते हुए क्षेत्र के विकास और सुख शांति के लिए प्रार्थना की

कार्यालय कलेक्टर (भू-अभिलेख शाखा) जिला बलरामपुर-रा0गंज,छ.ग.

Email:- indrecord.balrampur@gmail.com

क्रमांक/1207/भ.अभि./भण्डार/2023 बलरामपुर दिनांक 04/08/2023

//निविदा सूचना//

जिले के भूमिस्वामी कृषकों का खसरा,बी-1 एवं वितरण पंजी मुद्रित किये जाने हेतु निविदा आमंत्रण

छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभा, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर के पत्र क्रमांक 3261 दिनांक 29/05/2023 के निर्देशानुसार जिला बलरामपुर-रा0गंज के भूमिस्वामी कृषकों के स्वामित्व की भूमि का खसरा, बी-1 एवं वितरण पंजी मुद्रित किये जाने हेतु खुली निविदा पद्धति से राज्य के समस्त मुद्रणालय/प्रिंटिंग प्रेस से निविदा आमंत्रित किया जाता है। निविदा आमंत्रण सूचना पत्र एवं निविदा की शर्ते जिला बलरामपुर-रा0गंज की आधिकारिक वेबसाईट https://balrampur.gov.in पर दिनांक 04/08/2023 को प्रदर्शित किया गया है।

इच्छुक निविदाकार दिनांक 18/08/2023 शुक्रवार के सायं दोपहर 2:00 बजे तक जिला कार्यालय भू-अभिलेख शाखा बलरामपुर में निविदा प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के उपरांत प्रस्तुत निविदाएं स्वीकार नहीं किये जाएंगे। (कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

जी.नं.-04230/2

डिप्टी कलेक्टर
वास्ते कलेक्टर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज,छ.ग.

अच्छी फॉर्म जारी रखकर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना चाहते हैं सेन

गुवाहाटी,13अगस्त 2023। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन का लक्ष्य एशियाई खेलों में पहला पदक जीतना और विश्व रैंकिंग में चोटी के पांच खिलाड़ियों में जगह बनाना है लेकिन उनकी पहली प्राथमिकता अपनी हाल की शानदार फॉर्म जारी रखकर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना है। सेन ने खराब दौर से गुजरने के बाद हाल में लय हासिल करके जुलाई में कनाडा ओपन में खिताब जीता और इसके बाद अमेरिकी ओपन और जापान ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे। अल्मोड़ा के रहने वाले इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 2021 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था और उन्हें उम्मीद है कि वह 21 अगस्त से डेनमार्क के कोपेनहेगन में होने वाली प्रतियोगिता में फिर से पदक जीतने में सफल रहेंगे।

सेन ने यहां भारतीय बैडमिंटन संघ के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन के मौके पर पीटीआई से कहा,''विश्व चैंपियनशिप में केवल एक सप्ताह का समय बचा है और मुझे लगता है कि मैंने जो पिछले टूर्नामेंट खेले हैं उनसे वास्तव में मुझे मदद मिलेगी।'' उन्होंने कहा,'' मेरी तैयारियां अच्छी चल रही हैं। पिछले कुछ टूर्नामेंट में मेरी फॉर्म अच्छी रही लेकिन अब भी कुछ नई चीजें सीखने और सुधार करने की गुंजाइश है। मैंने हाल में कुछ अच्छे मैच खेले हैं और इससे मुझे काफी आत्मविश्वास मिलेगा।'' सेन ने कहा,'' अगले एक सप्ताह या 10 दिन में मैं वास्तव में अच्छा अभ्यास और उसके बाद विश्व चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं।'' एशियाई खेल चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक खेले जाएंगे और सेन का लक्ष्य इन खेलों में पदक जीतना है।

उन्होंने कहा,'' यह वास्तव में बड़ी प्रतियोगिता है जो चार साल में एक बार आयोजित की जाती है इसलिए यह विशेष है। मैं इस तरह की बड़ी प्रतियोगिताओं में दो बार खेला हूं। मैंने युवा ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लिया था इसलिए सभी खिलाड़ियों से मिलना और अलग खेलों को देखना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा।'' सेन ने कहा,'' इसलिए मैं एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं लेकिन अभी मेरी पहली प्राथमिकता विश्व चैंपियनशिप है और उसके बाद हम एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

सेन विश्व रैंकिंग में अभी 11वें नंबर पर हैं और उनका लक्ष्य अगले साल तक चोटी के पांच खिलाड़ियों में शामिल होना है। उन्होंने कहा,'' मैं जल्द ही अपने को विश्व के चोटी के आठ खिलाड़ियों में देखना चाहता हूं और मेरा लक्ष्य ओलंपिक क्वालीफिकेशन समाप्त होने तक शीर्ष पांच खिलाड़ियों में जगह बनाना है। लेकिन मुझे कई टूर्नामेंट में खेलना है और मेरी प्राथमिकता बड़े टूर्नामेंट में जीत दर्ज करना है। इससे रैंकिंग में अपने आप ही सुधार होगा।

भारत ने चौथी बार जीती एशियन चैंपियंस ट्रॉफी,पीएम मोदी ने दी बधाई

चेन्नई ,13 अगस्त 2023। भारतीय हॉकी टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीत लिया है। टीम ने मलेशिया को 4-3 से पराजित कर दिया। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में चौथी बार चैंपियन बनी है। इसी के साथ भारत इस टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा खिताब जीतने वाला देश बन गया है।

चेन्नई के राधाकृष्णन स्टेडियम में अपना 5वां फाइनल खेल रही टीम इंडिया हाफ टाइम तक 2 गोल से पिछड़ रही थी, तब स्कोर लाइन 3-1 था। फिर मुकाबले के आखिरी दो क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने तीन गोल दागते हुए जीत हासिल की।मुकाबले में भारत की ओर से जुगराज सिंह ने 9वें मिनट, कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 45वें मिनट, गुरजंत सिह ने भी 45वें मिनट और आकाशदीप सिंह ने 56वें मिनट में गोल दागा। साथ ही मलेशियाई टीम की ओर से अजराई अबू कमाल ने 14वें मिनट, रहीम रजी ने 18वें मिनट और मुहम्मद अमीनुदीन ने 28वें मिनट में गोल दागा।

भारतीय टीम के चौथी पर चैम्पियन बनने पर पीएम मोदी ने उन्हें बधाई दी। पीएम ने ट्विटर पर लिखा-एशियाई चैम्पियनशिप में शानदार जीत पर हमारी पुरुष हॉकी टीम को बधाई! यह भारत की चौथी जीत है और यह हमारे खिलाड़ियों के अथक समर्पण, कठोर प्रशिक्षण और दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। उनके असाधारण प्रदर्शन ने पूरे देश में अत्यधिक गर्व की भावना जगाई है। हमारे खिलाड़ियों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

सितांशु कोटक आयरलैंड के खिलाफ टीम इंडिया के हेड कोच होंगे

नई दिल्ली ,13 अगस्त 2023। जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में आयरलैंड का दौरा करने वाली टीम इंडिया ए के मुख्य कोच राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक होंगे। सतांशु आयरलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों के लिए भारतीय टीम की कोचिंग का जिम्मा संभालेंगे।

कोटक को घरेलू क्रिकेट का अच्छा अनुभव हैं और वो ह्ष्ट में कोचिंग सेट-अप का हिस्सा हैं। एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के भारतीय टीम के साथ आयरलैंड जाने की संभावना थी। लेकिन अब वो बैंगलुरु में चल रहे इमर्जिंग कैंप की देखरेख के कारण टीम के साथ नहीं जाएंगे। वहीं मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर, गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे को एशिया कप और फिर वर्ल्ड कप के व्यस्त कार्यक्रम के कारण सीरीज के लिए ब्रेक दिया गया है। राहुल द्रविड़ और विक्रम राठौड़ इस समय फ्लोरिडा में वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी दो टी20 मैचों के लिए अमेरिका में हैं और इस महीने के आखिर में एशिया कप की तैयारियों के लिए टीम में फिर से शामिल होंगे।

वहीं 18, 20 और 23 अगस्त में टीम इंडिया डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ तीन टी20 सीरीज खेलेगी। इस दौरे में भारतीय टीम की कमान जसप्रीत बुमराह के कंधों पर होगी।

एशियाई खेलों के लिए भारत की तैयारी में एसीटी की खिताबी जीत वास्तव में मायने रखेगी: फुल्टन

चेन्नई,13 अगस्त 2023। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि ऐसे समय में जबकि भारत की निगाहें एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए स्वतः क्वालीफाई करने पर टिकी हैं, तब एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) की खिताबी जीत वास्तव में मायने रखेगी।

भारतीय हॉकी टीम ने शनिवार को यहां दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके मलेशिया को 4-3 से हराकर रिकॉर्ड चौथी बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता। अब जबकि 23 सितंबर से हांगझोउ में एशियाई खेल शुरू हो रहे हैं तब फुल्टन से पूछा गया कि क्या इस तरह के रोमांचक फाइनल से भारतीय टीम को महाद्वीपीय प्रतियोगिता में मदद मिलेगी।

फुल्टन ने कहा, फाइनल हमेशा अजीब होते हैं। वह कभी आसान नहीं होते। यह मैच भी शूटआउट तक जा सकता था। इस तरह के रोमांचक मैच का होना महत्वपूर्ण होता है क्योंकि वास्तव में यह मायने रखते हैं। उन्होंने कहा, इसके साथ ही मैं यह भी कहना चाहूंगा कि यह (एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी) एशियाई खेल नहीं हैं, इसलिए हमें अति उत्साहित होने की जरूरत नहीं है। लेकिन अगर आप मुझसे पूछेंगे कि एशियाई खेलों में जीत दर्ज करो और इस फाइनल को हार जाओ, तो मैं निश्चित तौर पर एशियाई खेलों की जीत को चुनूंगा।

भारत फाइनल में मध्यांतर तक 1-3 से पीछे चल रहा था लेकिन उसने दूसरे हाफ में शानदार वापसी की। भारत ने सेमीफाइनल में जापान हो 5-0 से करारी शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई थी।

फुल्टन ने कहा, मलेशिया के खिलाफ मैच वास्तव में शानदार रहा। इससे पहले जापान के खिलाफ मैच भी उच्च स्तर का रहा था। मलेशिया ने पहले हाफ में शानदार खेल दिखाया। हम भी बुरा नहीं खेले लेकिन हम शत प्रतिशत प्रतिबद्ध नहीं दिखे जैसा कि हम चाहते थे। उन्होंने कहा, हमने मध्यांतर के बाद खुद को संगठित किया। हमें केवल वापसी के लिए एक गोल की जरूरत थी। इसके बाद हम किसी भी समय बराबरी का गोल और उसके बाद निर्णायक गोल कर सकते थे। जिस तरह से टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी की उससे उसके जज्बे का पता चलता है।

फॉर्म में लौटने के लिए पुराना तरीका अपनाया: गिल

लॉडरहिल(अमेरिका) ,13अगस्त 2023। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फॉर्म में वापसी के लिए उन्होंने ' बेसिक्स' पर ध्यान दिया और उस तरीके को अपनाया जब वह रन बना रहे थे।

यह 23 वर्षीय बल्लेबाज वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में दोहरे अंक में नहीं पहुंच पाया था। उन्होंने इन मैचों में तीन, सात और छह रन बनाए लेकिन चौथे मैच में 47 गेंदों पर 77 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की। भारत ने यह मैच नौ विकेट से जीता।

गिल ने चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के बाद पंजाब के अपने साथी तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ बात करते हुए कहा, पहले तीन मैचों में मैं 10 रन तक भी नहीं पहुंच पाया था।

आज विकेट थोड़ा बेहतर था, इसलिए मैं इसका पूरा फायदा उठाना चाहता था। इसके बाद जब हमें अच्छी शुरुआत मिली तो फिर हम उसका अच्छा अंत करना चाहते थे। उन्होंने कहा, टी20 प्रारूप इसी तरह का होता है। जब आपके पास तीन चार मैच होते हैं तो आपके अच्छे शॉट को क्षेत्ररक्षक कैच कर लेता है, आपकी निगाहें तेजी से रन बनाने पर होती हैं और ऐसे में सोचने का ज्यादा समय नहीं होता है।

गिल नं कहा,अपने बेसिक्स पर लौटना महत्वपूर्ण होता है। आप तब उन तरीकों पर गौर करते हो जब आप लगातार रन बना रहे होते थे। आपको यह पता करना होता है कि आप कहां गलती कर रहे हैं। मेरा मानना है कि इन तीनों मैचों में मैंने कोई गलती नहीं की लेकिन मैं अपनी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पा रहा था।

यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि कल के लिए तैयार रहूं:जायसवाल

लॉडरहिल (अमेरिका),13 अगस्त 2023। पहले टेस्ट क्रिकेट और फिर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ने वाले प्रतिभाशाली युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा के यह अभी शुरुआत है और उन्हें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि वह कल के लिए तैयार रहें।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन करने वाले 21 वर्षीय जायसवाल ने भारत की तरफ से अपने पदार्पण टेस्ट क्रिकेट मैच में शतक जड़ा और फिर अर्धशतक बनाया।

जायसवाल को इसके बाद जब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मौका मिला तो उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 मैच में 51 गेंदों पर नाबाद 84 रन बनाए। यह उनका सबसे छोटे प्रारूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर केवल दूसरा मैच था।

जायसवाल ने भारत की नौ विकेट से जीत के बाद कहा, यह अभी केवल शुरुआत है। मैं अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखना चाहता हूं। मैं

अपने आज के प्रदर्शन से खुश हूं लेकिन मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि मैं कल के लिए भी तैयार रहूं।

उन्होंने कहा, यह अर्धशतक वास्तव में खास है। भारत का प्रतिनिधित्व करना गौरवशाली क्षण होता है। निश्चित तौर पर इसके पीछे कड़ी मेहनत छुपी होती है। मैं खुशनसीब हूं कि मैं आज अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहा।

भारत ने पांच मैच की श्रृंखला में लगातार दो मैच हारने के बाद ईशान किशन को शीर्ष क्रम से हटाकर जायसवाल को मौका दिया। उन्होंने शुभमन गिल के साथ मिलकर चौथे टी20 मैच में पहले विकेट के लिए 165 रन जोड़कर भारतीय रिकॉर्ड की बराबरी की। पिछला रिकॉर्ड रोहित शर्मा और केएल राहुल के नाम था।

ऐसे में स्वाभाविक ही यह सवाल पैदा होता है कि क्या यह नए युग की शुरुआत है।

जायसवाल ने इस पर विनम्रता से जवाब दिया, उन्होंने (रोहित और राहुल) ने जो किया है वह अद्भुत है। वे खेल के दिग्गज हैं। हमें बस वह करने की जरूरत है जो हम कर सकते हैं। हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है।

बल्लेबाजों को अधिक जिम्मेदारी उठाकर गेंदबाजों का साथ देना होगा: पंड्या

लॉडेरहिल, 13 अगस्त 2023। वेस्टइंडीज को पांच मैचों की श्रृंखला के चौथे मैच में नौ विकेट से हराने के बाद भारतीय कप्तान हार्दिक पंड्या ने शनिवार को यहां कहा कि टीम के बल्लेबाजों को इसी तरह से जिम्मेदारी उठाकर गेंदबाजों का समर्थन करना होगा।

भारत ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट पर 178 रन पर रोकने के बाद तीन ओवर शेष रहते एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही भारत ने श्रृंखला में 2-2 से बराबरी कर ली। इसका निर्णायक मुकाबला रविवार को खेला जायेगा।

यशस्वी जायसवाल (नाबाद 84) और शुभमन गिल (77 रन) की आतिशी बल्लेबाजी और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 165 रन की साझेदारी के दम पर भारतीय टीम ने आसान जीत दर्ज की।

मैच के बाद पुरस्कार समारोह में पंड्या ने सलामी बल्लेबाजों की तारीफ करते हुए कहा, उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। जैसा कि हमने देखा है, उनके कौशल में

कोई संदेह नहीं है। उन्हें बस क्रीज पर बीच कुछ समय बिताने की जरूरत थी।

भारतीय कप्तान ने कहा, आगे बढ़ते हुए हमें बल्लेबाजी समूह के रूप में अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी और गेंदबाजों का समर्थन करना होगा। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि गेंदबाज मैच जिताते हैं। यशस्वी और शुभमन आज शानदार थे। उनकी बल्लेबाजी देखकर बहुत अच्छा लगा।

मैन ऑफ द मैच जायसवाल ने उन पर भरोसा करने के लिए कप्तान और टीम के सहयोगी सदस्यों का आभार जताया।

जायसवाल ने कहा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट आसान नहीं है लेकिन मैं अपनी बल्लेबाजी का लुत्फ उठाने का प्रयास कर रहा हूं। हार्दिक भाई और टीम के सहयोगी सदस्य जिस तरह से मुझ पर भरोसा कर रहे है उससे मैं खुश हूं।

गिल के साथ साझेदारी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, शुभमन के साथ बल्लेबाजी करना शानदार रहा। हम गेंदबाजों के खिलाफ योजना बना कर खेल रहे थे। हम बात कर रहे थे कि किस गेंदबाज के खिलाफ आक्रामक रूख अपनाना है। यह हमारी साझेदारी के लिए जरूरी था।

काबुलीवाला से मिथुन चक्रवर्ती का पहला लुक जारी

रहमत की भूमिका में खूब जंचे अभिनेता

मिथुन चक्रवर्ती को पिछली बार विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स में देखा गया था।आने वाले दिनों में मिथुन काबुलीवाला में नजर आएंगे। इसका निर्देशन सुमन घोष द्वारा किया जा रहा है।अब निर्माताओं ने काबुलीवाला से मिथुन का पहला लुक जारी कर दिया है, जिसमें वह काफी दमदार अवतार में नजर आ रहे हैं।काबुलीवाला की कहानी एक अफगान व्यक्ति रहमत और कोलकाता की एक छोटी लड़की मिनी के बीच अनोखी दोस्ती के इर्द-गिर्द घूमती है।

जियो स्टूडियो ने ट्विटर पर मिथुन का पहला लुक साझा किया है। उन्होंने लिखा, काबुलीवाला के रूप में मिथुन चक्रवर्ती का पहला लुक जारी।काबुलीवाला में मिथुन रहमत की भूमिका अदा करते नजर आएंगे।इसमें अबीर चटर्जी और सोहिनी सरकार मिनी के माता-पिता के रूप में दिखाई देंगे। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि छोटी लड़की का किरदार कौन निभाएगा।काबुलीवाला 25 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज होगी। यह फिल्म उस दौर को दर्शाती है जो हृदयस्पर्शी संबंधों के सार और प्यार के गहरे महत्व को समाहित करता है जो सीमाओं और संस्कृतियों दोनों को पार करते हुए कोई सीमा नहीं जानता है।वर्ष 1957 में, अग्रणी निर्देशक, तपन सिन्हा ने, सिल्वर सेल्युलाइड पर टैगोर की हार्दिक कथा को अमर बना दिया, और अब, 66 वर्षों की अवधि के बाद, निर्देशक सुमन घोष, जिन्होंने पहले समीक्षकों द्वारा प्रशंसित नोबेल चोर में मिथुन के साथ काम किया था, बंगाली सिल्वर स्क्रीन पर इस क्लासिक को फिर से जीवंत करके एक बार फिर जादू पैदा करने के लिए तैयार है।

एनिमल की रिलीज को लेकर उत्साहित रश्मिका मंदाना,दिसंबर है लकी महीना

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल पहले 11 अगस्त को रिलीज होने वाली थी। फिल्म टलने की लंबी आशंकाओं के बाद निर्माताओं ने इसकी आधिकारिक घोषणा की थी।अब यह फिल्म 1 दिसंबर को रिलीज होनी है।फिल्म में रणबीर कपूर के साथ रश्मिका मंदाना नजर आएंगी।रश्मिका के करियर के लिए दिसंबर हमेशा अच्छी किस्मत लेकर आया है। अब मीडिया से बातचीत में उन्होंने दिसंबर में आने वाली एनिमल पर बात की है।

रश्मिका ने दिसंबर में मिलने वाली सफलताओं पर बात की।उन्होंने कहा, दिसंबर का महीना मेरे लिए हमेशा किस्मत वाला रहा है। मेरे डेब्यू किटी पार्टी से लेकर, पुष्पा, चमक, अंजनीपुत्र, मुझे इस महीने रिलीज हुई अपनी हर फिल्म के लिए बहुत प्यार मिला है। एनिमल 5वीं फिल्म होगी, जो दिसंबर में रिलीज होगी। मैं इसके लिए काफी रोमांचित हूं।दर्शक भी फिल्म में रणबीर और रश्मिका की नई जोड़ी को देखने के लिए उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा, मैं यह देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि दर्शक फिल्म और फिल्म में मेरे किरदार के बारे में क्या प्रतिक्रिया देंगे। मेरे लिए यह बिल्कुल अलग किरदार है। मैंने ऐसा कुछ पहले कभी नहीं किया है। मैंने कभी ऐसे किरदार में खुद की कल्पना भी नहीं की थी। यही वजह है कि मैं यह जानने के लिए बहुत उत्साहित हूं कि प्रशंसक और समीक्षक क्या कहते हैं।

निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की इस फिल्म में अनिल कपूर और बॉबी देओल भी नजर आएंगे। इसमें अनिल, रणबीर के किरदार के पिता की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं बॉबी विलेन होंगे।इस फिल्म के निर्माता भूषण कुमार हैं।फिल्म के सभी किरदारों के बीच के असहज रिश्तों की कहानी दिखाई जाएगी, जिनसे जूझते हुए आखिर में फिल्म का मुख्य किरदार (रणबीर) स्वभाव में जानवर (एनिमल) बन जाएगा।फिल्म से रणबीर का गंभीर लुक जारी हो चुका है।रश्मिका अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा से हिंदी दर्शकों के बीच लोकप्रिय हुई थीं।वह पिछले साल अमिताभ बच्चन की फिल्म गुडबाय में नजर आई थीं। इसके बाद वह सिद्धार्थ मल्होत्रा की मिशन मजनू में भी दिखाई दी थीं।वह अनीस बाज्मी की एक एक्शन कॉमेडी में शाहिद कपूर के साथ नजर आएंगी। उन्होंने विक्की कौशल के साथ भी एक फिल्म साइन की है।वह एक महिला केंद्रित फिल्म रेनबो का भी हिस्सा हैं।

CMYK

इंदिरा बैंक घोटाले में 34 कर्जदारों को नोटिस

» 17 साल बाद एक ने जमा कराए 28 लाख

रायपुर,13 अगस्त 2023(ए)। राज्य के चर्चित इंदिरा प्रियदर्शनी महिला नागरिक सहकारी बैंक घोटाला में 47 साल बाद बड़ी कामयाबी मिली है। गलत तरीके से लोन लेने वाले एक उद्योगपति ने कोर्ट में साढ़े 28 लाख रुपए का चेक जमा किया है। मामले की पैरवी कर रहे सरकारी वकील संदीप दुबे ने आने वाले दिनों में फर्जी तरीके से लोन लेने वाले और उद्योगपतियों द्वारा रकम जमा कराए जाने की संभावना व्यक्त की है।

कोर्ट ने इंदिरा प्रियदर्शनी बैंक घोटाले से जुड़े 34 उद्योगपति-कारोबारियों सहित बैंक प्रबंधन से जुड़े लोगों को कोर्ट में पेश होने के लिए नोटिस जारी किया था। कोर्ट के नोटिस के बाद बैंक घोटाले के प्रमुख आरोपी जगदलपुर निवासी नीरज जैन, उमेश सिन्हा तथा मीना आडिल कोर्ट में उपस्थित हुए।

लोक अभियोजक संदीप दुबे के मुताबिक इंदिरा प्रियदर्शनी बैंक घोटाला से जुड़े लोगों की शुक्रवार को भूपेश कुमार बसंत की जेएमएफसी कोर्ट में सुनवाई हुई। घोटाले के प्रमुख आरोपी नीरज जैन वर्ष 2009 के बाद से कोर्ट में उपस्थित नहीं हो रहे थे, वो आज कोर्ट में उपस्थित होने के बाद कोतवाली थाना पहुंचे। गौरतलब है कि नीरज जैन से पूछताछ करने पुलिस ने उन्हें पिछले महीने नोटिस जारी किया था। नीरज के नहीं मिलने पर पुलिस ने उनके घर में नोटिस चस्पा किया था। पुलिस द्वारा नोटिस चस्पा किए जाने के बाद पहली बार नीरज पुलिस पूछताछ में शामिल होने थाने पहुंचे। वकील के मुताबिक नर्मदा इन्फ्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड के संचालक पवन कुमार तथा रितु गुप्ता ने कोर्ट में साढ़े 28 लाख रुपए का चेक जमा किया है। वकील के अनुसार पवन कुमार ने शेल कंपनी के नाम से इंदिरा प्रियदर्शनी बैंक से लोन लिया था । लोन लेने के बाद कंपनी ने बैंक में लोन की राशि जमा नहीं की । नोटिस मिलने के बाद कंपनी ने लोन की राशि चेक के माध्यम से कोर्ट में जमा की।

रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज को नोटिस

इंदिरा प्रियदर्शनी बैंक से ज्यादातर लोगों द्वारा शेल कंपनी बनाकर लोन लेने की बात सामने आई है। इस बात को ध्यान में रखते हुए कोर्ट के माध्यम से बिलासपुर स्थित रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज को नोटिस जारी कर लोन लेने वाले कंपनी संचालकों की नाम पते सहित सूची देने नोटिस जारी करने की तैयारी की जा रही है।

लोन लेने वाली पांच कंपनियां राज्य के बाहर की

लोक अभियोजक के मुताबिक इंदिरा प्रियदर्शनी बैंक से जिन 34 बड़े उद्योगपति कारोबारियों ने मोटी रकम लोन के रूप में लिया था और लोन की राशि जमा नहीं की, उनमें से पांच कंपनियां राज्य के बाहर महाराष्ट्र की हैं। उन कंपनियों को नोटिस जारी करने की भी तैयारी की जा रही है।

नीरज जैन ने बनाई थी कर्मचारियों के नाम से 6 फर्जी कंपनी

इंदिरा प्रियदर्शनी बैंक घोटाला में नाम सामने आने के बाद नीरज जैन जमानत मिलने पर नागपुर शिफ्ट हो गया। नागपुर शिफ्ट होने के बाद वर्ष 2009 के बाद से नीरज जैन एक भी पेशी में कोर्ट में उपस्थित नहीं हुआ। पुलिस द्वारा उसके मकान में नोटिस चस्पा किए जाने तथा कोर्ट का नोटिस मिलने के बाद नीरज कोर्ट में उपस्थित हुआ। पुलिस पूछताछ में नीरज ने बताया है कि उसने अपने कर्मचारियों के नाम से 6 फर्जी कंपनी बनाकर इंदिरा प्रियदर्शनी बैंक से करोड़ों रुपए का लोन लिया था।

नागरिकों को मिली बड़ी राहत

6 माह तक बिल जमा नहीं करने पर भी मिलेगा बिजली बिल हाफ योजना का लाभ

रायपुर,13 अगस्त 2023(ए)। राज्य सरकार ने प्रदेश की जनता को एक बड़ी राहत देते हुए बिजली बिल हाफ योजना में छूट का दायरा बढ़ा दिया है। अब 6 माह तक बिल जमा नहीं करने पर भी इस योजना का लाभ मिलेगा, पूर्व में यह अवधि मात्र 2 थी।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव के ठीक पूर्व राज्य सरकार ने बिजली बिल हाफ योजना में छूट का दायरा काफी बढ़ा दिया है। 01 अगस्त से लागू इस नए निर्देश के बाद अब प्रदेश के नागरिकों को इस योजना का और ज्यादा लाभ मिलेगा। सूत्रों की माने तो पूर्व में बिजली बिल की राशि 2 माह के अंदर जमा करने पर ही बिजली बिल हाफ योजना का लाभ मिलता था और बकाया राशि की 50 प्रतिशत राशि ही बिल के रूप में ली जाती थी। अब नागरिक यदि 6 माह तक भी बिजली बिल की राशि जमा नहीं करते तो भी उन्हें बिल राशि में 50 प्रतिशत की छूट का लाभ मिलेगा। इससे मध्यमवर्गीय परिवारों को विशेष राहत मिलेगी। मध्यमवर्गीय परिवारों में महीने का बजट फिक्स होता है, परंतु अचानक आने वाले खर्चों के चलते कई बार बजट गड़बड़ा जाता है, इसके चलते हजारों परिवार हर माह बिजली बिल जमा नहीं कर पाते थे। मगर अब इस योजना का दायरा बढ़ जाने से निश्चित रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों को काफी राहत मिल जाएगी।

लंबी दूरी की कई यात्री ट्रेनों के रद्द होने से हजारों यात्री बेहाल

रायपुर,13 अगस्त 2023(ए)। राज्य छत्तीसगढ़ से होकर गुजरने वाली 19 ट्रेनों को रेलवे प्रशासन ने 22 अगस्त तक के लिए रद्द कर दिया है। रेलवे के इस फैसले से हजारों यात्रियों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है।

रेलवे सूत्रों ने बताया कि हावड़ा-मुंबई मेन लाइन पर स्थित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत बिलासपुर-चांपा सेक्शन में चौथी लाइन का काम चल रहा है। इस दौरान सक्ती स्टेशन की रिमॉडलिंग और चौथी लाइन से जोडने का काम भी लच रहा है। यह काम 22 अगस्त तक पूरा होने की उम्मीद है। इसी के चलते ट्रेनों को रद्द, परिवर्तित मार्ग से तथा कुछ ट्रेनों को गंतव्य के पूर्व समाप्त किया गया है।

22 अगस्त तक बिलासपुर से चलने वाली 08738 बिलासपुर-रायगढ़ मेमू पैसेंजर, रायगढ़ से चलने वाली 08737 रायगढ़-बिलासपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल और बिलासपुर से चलने वाली 18114 बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। इसके बाद 22 अगस्त तक बिलासपुर से चलने वाली 08736 बिलासपुर रायगढ़ मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। वहीं 23 अगस्त तक रायगढ़ से चलने वाली 08735 रायगढ़-बिलासपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 21 अगस्त, 2023 तक टाटानगर से चलने वाली 18113 टाटानगर-बिलासपुर एक्सप्रेस, टाटानगर से चलने वाली 18109 टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस, इतवारी से चलने वाली 18110 इतवारी-टाटानगर- एक्सप्रेस रद्द रहेगी। आज 13 अगस्त को पटना से चलने वाली 22844 पटना-बिलासपुर एक्सप्रेस, 14 अगस्त को भुवनेश्वर से चलने वाली 12880 भुवनेश्वर-कुर्ला एक्सप्रेस, 16 अगस्त को कुर्ला से चलने वाली 12879 कुर्ला भुवनेश्वर-एक्सप्रेस को रद्द किया गया है।

राजधानी रायपुर में 17 से रोजगार मेला का आयोजन

रायपुर ,13 अगस्त 2023(ए)। शिक्षित बेरोजगार के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर देते हुए जिला प्रशासन के सहयोग से प्लेसमेंट कैंप का आयोजन 17 अगस्त से किया जा रहा है। इसके तहत सेक्टरवाइस कैंप का आयोजन किया जाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार 17 अगस्त से 23 अगस्त तक रायपुर जिले में सेक्टरवार प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। होटल एवं रेस्टोरेंट सेक्टर के लिए 17 अगस्त को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सड्डू में लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इसी तरह 18 अगस्त को हॉस्पिटल एवं मेडिकल लेबोरेटोरी सेक्टर के लिए पॉलिटेक्निक कॉलेज बैरन बाजार रायपुर में, 19 अगस्त को औद्योगिक, उत्पादन एवं तकनीकी क्षेत्र सेक्टर के लिए अडवानी आर्लिकन स्कूल बीरगांव रायपुर में, 22 अगस्त को वित्तीय, सुरक्षा संस्थाएं एवं गैर तकनीकी क्षेत्र सेक्टर के लिए लाईवलीहुड कॉलेज जोरा, रायपुर में और 23 अगस्त को स्वरोजगार अवसरों हेतु लोन मेला लाईलीवुड कॉलेज जोरा, रायपुर में आयोजित किया गया है। इच्छुक उम्मीदवार अपने समस्त ओरिजनल प्रमाण पत्रों व पासपोर्ट साईज के दो फोटो के साथ कैंप में आकर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

बालोद के बाद अब दुर्ग रेलवे स्टेशन में भी पकड़ाया फर्जी टीटीई

रायपुर ,13 अगस्त 2023(ए)। रायपुर रेल मंडल में दो फर्जी टीटीई पकड़ाए हैं. पहला टीटीई बालोद में तो दूसरा टीटीई दुर्ग रेलवे स्टेशन में पकड़ाया है।

सूत्रों ने मामले की पुष्टी करते हुए बताया कि दुर्ग-अंबिकापुर एक्सप्रेस में फर्जी टीटीई के सूचना की जानकारी आरपीएफ को मिली थी. जिसके बाद असली टीटीई से बुलाकर इसकी पुष्टी की गई और उसे पकड़ लिया गया है. हालांकि दुर्ग आरपीएफ अभी आरोपी से पूछताछ कर रही है, जिसके बाद आधिकारिक रूप से इसकी जानकारी सामने आएगी. आरपीएफ के उच्च पदस्थ सूत्र के मुताबिक आरोपी का नाम अवधेश साहू निवासी सूरजपुर है.

उक्त आरोपी दुर्ग-अंबिकापुर एक्सप्रेस में यात्रियों की टिकट चेक अपने आप को टीटीई बताकर कर रहा था. हालांकि आरोपी ने किसी यात्री से पैसे लिए हैं या नहीं इसकी पुष्टी आरपीएफ के खुलासे के बाद होगी. आरोपी के खिलाफ दुर्ग जीआरपी थाने में एफआईआर दर्ज कर, कार्रवाई करने की तैयारी चल रही है.

अरविन्द बने बजरंग दल के जिला सह-संयोजक

-संवाददाता-
अनूपपुर,13 अगस्त 2023(घटती-घटना)। विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल की जिला बैठक दिनांक 12/08/2023 को पवित्र नगरी माँ नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक में सम्पन्न हुई। बैठक में जिले के सभी दायित्ववान कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने भाग लिया। जहाँ विभाग संगठन मंत्री आलोक शर्मा की अनुशंसा पर दायित्व विस्तार करते हुए हमेशा अपनी बागी कलम से सुर्खियों में रहने वाले तेज-तर्रार कलमकार अरविन्द द्विवेदी को बजरंग दल में सेवा एवं सुरक्षा की दृष्टि से देश के सर्वश्रेष्ठ एवं सबसे बड़े दल बजरंग दल का जिला सह-संयोजक नियुक्त किया गया है। जिसकी घोषणा के पश्चात जिले के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं उनके समर्थकों में खुशी की लहर है। सभी ने उनको बधाई व शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की एवं ज्येष्ठजनों ने निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसित रहने का शुभाशीष दिया है। वहीं इस मौके पर नव नियुक्त जिला सह-संयोजक ने संकल्प लेते हुए कहा कि मैं निस्वार्थ भाव से अपने दायित्व का निर्वहन करुंगा तथा सभी के सहयोग से जिले के विभिन्न प्रखंडों में संगठन के विस्तार पर जोर देंगे।

ये रहे उपस्थित

विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल की जिला बैठक में विभाग संगठन मंत्री आलोक शर्मा, दिनेश साहू (खंड कार्यवाहक), डॉ अश्वनी शर्मा जिले के पालक (प्रांत विशेष संपर्क सहप्रमुख), बालमीक जायसवाल जिला मंत्री, कल्याण सिंह जिला संयोजक, अर्जुन ताम्रकार जिला सेवा प्रमुख, तालकेश्वर प्रजापति जिला महाविद्यालयीन सह प्रमुख, दीपक पटेल जिला विधि सह प्रमुख, मनीष अग्रवाल जिला सह प्रचार-प्रसार प्रमुख, रमेश जायसवाल जिला सह गौ रक्षा प्रमुख, जितेन्द्र चौहान जिला सह समरसता प्रमुख एवं जिले के अन्य सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बीजेपी की सदस्यता लेने का सिलसिला जारी

अब धर्मजीत हुए भाजपाई

रायपुर,13 अगस्त 2023(ए)। आखिरकार सीजेसीजे से विधायक रहे धर्मजीत सिंह ने बीजेपी में प्रवेश कर लिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मांडविया ने उन्हें बीजेपी में सदस्यता दिलाई। सदस्यता लेते वक्त बीजेपी के दिग्गज नेता भी उनकी अगुवानी करते दिखे। विधायक धर्मजीत ने कहा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी में आना मेरा सौभाग्य कांग्रेस की अन्यायी सरकार को उखाड़ फेकें। पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने कहा धरमजीत सिंह के भाजपा में आने से हमारी शक्ति और बढ़ी।

भारतीय जनता पार्टी की विकासवादी और सर्वसमावेशी विचारधारा से प्रभावित होकर विभिन्न समाज प्रमुखों, सेवानिवृत्त अधिकारियों के भाजपा प्रवेश का सिलसिला निरंतर जारी है। रविवार को राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ लोरमी के विधायक धर्मजीत सिंह, रिटायर्ड आईएफएस एसएसडी बड़गैय्या, नगर पंचायत लोरमी के सभापति धर्मेंद्रगिरी गोस्वामी, नपं में विधायक प्रतिनिधि अविश यादव, भूपेन्द्र सिंह ठाकुर ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

भाजपा प्रदेश चुनाव सह प्रभारी व केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया, प्रदेश संगठन सह प्रभारी नितिन नवीन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, पूर्व सांसद रामविचार नेताम, विधायक व पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ,प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप ने भाजपा का दुपट्टा पहनाकर भाजपा में प्रवेश करने वाले सदस्यों का स्वागत किया।

गौरेला पेंड्रा में भूकंप के झटके

गौरेला पेंड्रा मरवाही ,13 अगस्त 2023 (ए)। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में आज सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए है। पेण्ड्रा गौरेला मरवाही इलाके में आज सुबह करीब 9 बजकर 9 मिनट पर लोगों ने भूकंप के झटके गडग़ड़ाने की आवाज के साथ महसूस किए।भूकंप का केंद्र पडोसी जिले कोरबा के पसान में रहा जो जमीन के अन्दर 5 किलोमीटर में रहा फिलहाल अब तक किसी भी जनहानि की जानकारी नही मिली है।

पेण्ड्रा में आज सुबह लोगो को भूकंप के झटके आभास होते ही लोग अपने घरों से बाहर निकल गए। हालांकि यह झटके करीब 3 से 4 सेकेंड तक ही लोगो ने महसूस किए है। कुछ लोगों को यो इन झटकों का आभास भी नही हुआ हालांकि मौसम विभाग ने भी इसकी पुष्टि करते हुए जानकारी दी है की इस भूकंप का केंद्र कोरबा जिले के पसान में जमीन से लगभग 5 किलोमीटर अंदर थी और भूकंप की तीव्रता 3.6 रिक्टर स्केल मद आंकी गई है।

वहीं भूकंप की खबर से लोगों में अफरा-तफरी जरूर मच गई जबकि प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की अपील की है तो घरों में हल्की दरार भी पडने की सूचना मिल रही है। साथ ही जिले के अलग अलग इलाकों से भी भूकंप के झटके महसूस किये जाने की जानकारी मिल रही है तो कुछ लोगो ने बतलाया कि भूकंप के दौरान गडग़ड़ाने की आवाज भी उन्होने महसूस किया है।

खड़गे ने कहा,मणिपुर जल रहा मगर पीएम हैं मौन

» भरोसे के सम्मेलन में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को कोई नहीं हिला सकता

रायपुर,13 अगस्त 2023(ए)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मणिपुर मुद्दे में मौन धारण करने के लिए तंज कसा है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने जांजगीर-चांपा जिले के खोखरा में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। मंच पर जाने से पहले खड़गे ने बाहर लगे स्टॉल्स का निरीक्षण किया। पीसीसी प्रभारी सैलजा और चीफ दीपक बैज भी शामिल थे। इस दौरान 10वीं में पढ़ने वाली दिव्यांग छात्रा शैल कुमारी सिदार ने मल्लिकार्जुन खड़गे की पेंटिंग बनाई है।

मंच पर सीनियर नेताओं ने उनका स्वागत किया। पार्टी आलाकमान मल्लिकार्जुन खड़गे का मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ संस्कृति में स्वागत किया। हल देकर कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे का स्वागत किया गया। मंच पर जाने से पहले उसने खुद खड़गे को यह पेंटिंग भेंट की। रायपुर एयरपोर्ट पर खड़गे का स्वागत करने मुख्यमंत्री के साथ रायपुर के मेयर भी पहुंचे थे। उन्होंने विकास कार्यों का रिमोट से लोकार्पण और शिलान्यास किया गया।

प्रदेश की इन एससी सीटों में कांग्रेस के विधायक काबिज हैं

1-बिलाईगढ़ (अ.जा.) -चन्द्रदेव प्रसाद राय

2-सराईपाली (अ.जा.) -किस्मत लाल नन्द

3-आरंग (अ.जा.) शिवकुमार डहरिया

4-अहिवारा (अ.जा.) -गुरु रुद्र कुमार

5-नवागढ़ (अजा)-गुरूदयाल सिंह बंजारे

6-डोंगरगढ़ (अ.जा.)- भुनेश्वर शोभाराम बघेल

इसलिए खरगे के थ्रू एससी सीटों को साधने की कोशिश

स्ष्ट वर्ग के लिए आरक्षित 10 सीटों में 7 कांग्रेस के पास है। इनमें से एक रायगढ़ जिले में है, जबकि बाकी 6 अलग-अलग जिलों में है। इनमें से दो सीटों में मंत्री गुरू रूद्र कुमार और शिव डहरिया विधायक हैं। क्योंकि इन सीटों में पहले से ही कांग्रेस के विधायक काबिज हैं। इसलिए नई सीटों पर फोकस करना कांग्रेस ने सही समझा और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा जांजगीर में कराई जा रही है।

नक्सलियों ने मचाया उत्पात

» दर्जनभर सड़कें काटी,लगाए बैनर-पोस्टर

बीजापुर ,13 अगस्त 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में स्वतंत्रता दिवस से पहले नक्सलियों ने उत्पात मचाया है। माओवादियों ने सड़क को दर्जनों जगह से काटकर मार्ग अवरुद्ध कर दिया है। इसके चलते लोगों को आने जाने मे परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मामला कुटरू थाना क्षेत्र का है।मिली जानकारी के अनुसार, बीजापुर की जिला निर्माण समिति की ओर से भैरमगढ़ ब्लाक के गांव केतुलनार (कुटरू) से दरभा को जोड़ने वाली सड़क को बनाया गया है। केतुलनार से दरभा तक कुछ स्थानों पर सड़क मरम्मत होने की खबर मिली है। इससे नाराज नक्सलियों ने सड़क में कई जगह बड़े-बड़े गड्ढे खोद डाली, जिससे आवागमन बंद हो गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)